हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 8 दिसंबर 2024

सौगात

रायगढ़ में पीजी के दो नए कोर्स

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णदेव साय राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार और युवाओं के लिए राज्य में ही मेडिकल शिक्षा की सुविधा को लेकर काफी संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने स्व. श्री लखीराम मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के 2 नए कोर्स प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग हेतु 4 सीट एवं चर्मरोग विभाग हेतु 4 सीट की मंजूरी दी है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य शासन द्वारा नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी दिए जाने पर सीटों में वृद्धि से मेडिकल के छात्रों को लाभ मिलेगा। राज्य में ही पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश की संभावना बढ़ने से छात्रों को राज्य में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

अब धान का समाधान

मार्कफेड के एमडी ने कहा, सोमवार से उठाव संभव

32 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी, 31 लाख डंप

हरिभूमि ने मार्कफेड के एमडी रमेश शर्मा से सीधी बात की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दिक्कत है। अधिकांश खरीदी केंद्रों में उठाव नहीं हुआ है। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के साथ शनिवार शाम उच्च स्तरीय बैठक हुई है। मिलरों ने धान उठाव बंद किया था, उसे सोमवार से शुरू करने का भरोसा दिलाया है। वहीं सभी जिलों के कलेक्टरों से संग्रहण शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ सरकार ने जोर शोर से 14 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत की थी। हर दिन करीब एक से डेढ़ लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी समितियों में की जा रही है। तीन हफ्ते में 32 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी की गई है। लेकिन मिलर्स ने धान का उठाव नहीं किया है। उसकी वजह से 31 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान सोसायटियों में डंप हो गया है। 60 फीसदी समितियों में बफर स्टॉक है। मार्कफेड के एमडी ने मिलर्स से बैठक के बाद उठाव की बात कहीं। वहीं, सीएम से मुलाकात के बाद मिलर्स ने सोमवार से धान उठाव का आश्वासन दिया है।

रायपुर से जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, दुर्ग से राहुल शर्मा, राजनांदगांव से सचिन अग्रहरि, बिलासपुर-विकास चौबे, अंबिकापुर- अजय नारायण पांडेय की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

उल्लेखनीय है कि 32.68 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी हो चुकी है। अब तक केवल 1.29 लाख मीट्रिक टन का परिवहन हुआ है। 31.38 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी केंद्रों में डंप है। परिवहन व्यवस्था अभी शुरू नहीं होने के कारण खरीदी केंद्रों में स्टॉक जमा होता जा रहा है। दरअसल धान खरीदी होने के बाद 72 घंटों के भीतर धान का परिवहन करने के निर्देश हैं। 14 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी में मिलर्स द्वारा जिलों में पंजीयन नहीं कराए जाने के शेष पेज 4 पर

सीएम से मुलाकात के बाद बोले मिलर्स, सोमवार से करेंगे उठाव

इधर, छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। सीएम साय ने प्रदेश के चावल मिल वालों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। इसके बाद प्रदेश भर के मिलर्स ने कस्टम मिलिंग कार्य करने की सहमति दी। सभी जिलों में सीएमआर कार्य आरंभ हो गया। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स शेष पेज 4 पर

रायपुर और बिलासपुर में मिलर्स को डीओ जारी

परिवहन ठप, केंद्रों में लिमिट से दोगुना धान

प्रदेश के बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव, खैरागढ़, मोहला-मानपुर, रायपुर बिलासपुर, कवर्धा, गरियाबंद, धमतरी और मुंगेली जिले में परिवहन ठप होने के चलते केंद्रों में धान जाम हो गया है। हालत ये है कि उपार्जन केंद्रों में क्षमता के मुकाबले दो से तीन गुना तक धान का स्टॉक जमा हो गया है। ऐसी स्थिति में अब खरीदी पर संकट के बादल छा गए हैं। बालोद जिले में 2.94 लाख मीट्रिक टन, बेमेतरा जिले में सबसे अधिक 2.72 लाख टन, राजनांदगांव 2.27 लाख टन और रायपुर जिले में 1.93 लाख टन धान का उठाव नहीं हो पाया है। बताया गया है कि सबसे अधिक 17 प्रतिशत उठाव धमतरी जिले में हुआ है। यहां पर नगरी और सांकरा के संग्रहण केंद्रों के शेष पेज 4 पर

कई जिलों के मिलर्स में अब भी नाराजगी

छत्तीसगढ़ में सरकार और राइस मिलरों के बीच गतिरोध होने के कारण खरीदी के समय से मिलरों ने धान उठाना शुरु नहीं किया था। अब छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के बीच एक समझौता हो गया है, लेकिन जिलों में मिलरों के संगठनों की नाराजगी अभी भी कम नहीं हुई। मिलर धान की कस्टम मिलिंग के लिए पंजीयन नहीं करा रहे हैं। अब तक मिलरों से अनुबंध भी नहीं हो पाए हैं, जबकि राज्य में तीन हजार से अधिक मिलों का पंजीयन और अनुबंध होना है। सरकार ने मिलरों के साथ गतिरोध को देखते हुए ये व्यवस्था बनाई थी कि यदि मिलर धान नहीं उठाएंगे तो उपार्जन केंद्रों से धान मार्कफेड के संग्रहण केंद्रों में भेजा जाएगा। पर, हालात इससे पूरी तरह अलग है। मार्कफेड के संग्रहण केंद्रों में अब तक केवल 22 हजार 324 मीट्रिक टन धान भेजा जा सका है।

कस्टम मिलिंग के लिए नहीं कराया पंजीयन

बस्तर जिला

जगदलपुर जिले के सभी 79 केंन्द्रों में अधिकतर केंद्रों में बफर लिमिट की स्थिति निर्मित होने की संभावना है। यहां अब तक कस्टम मिलिंग के लिए समूचे बस्तर संभाग के एक भी मिलर्स मिलिंग के लिए पंजीयन नहीं कराया है। जब तक मिलर्स शासन के साथ पंजीयन नहीं कराएंगे, कस्टम मिलिंग का काम प्रारंभ नहीं होगा। कस्टम मिलिंग के बिना उठाव नहीं होगा। इसलिए उपार्जन केंद्रों में बफर लिमिट की स्थिति बन रही है। बस्तर जिले में कस्टम मिलिंग के लिए मिलरों का अब तक पंजीयन शुरू नहीं हुआ है, न अब तक संग्रहण केंद्र चालू हुआ है। डीएमओ आर ध्रुव ने बताया कि मिलर्स की कुछ मांगे थी, जिसे शासन स्तर पर सार्थक पहल किया गया है। आज या कल से कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स पंजीयन कराने की प्रक्रिया शुरू होगी। एक-दो दिनों में उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव युद्धस्तर पर किया जाएगा।

परिवहन के अभाव में धान खरीदी प्रभावित, कई केन्द्रों में खरीदी हुई बंद

राजनांदगांव

समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी में परिवहन का अभाव होने के चलते खरीदी केन्द्रों में धान जाम है। केन्द्रों में जगह नहीं होने की वजह से खरीदी प्रभावित हो गई है। वहीं कई केन्द्रों में धान खरीदी बंद कर दी गई है। धान खरीदी बंद शेष पेज 4 पर

खैरागढ़ जिले में भी खरीदी प्रभावित

खैरागढ़ जिले की बात की जाए तो यहां 24078 किसानों से 1301811.20 क्विंटल धान खरीदा गया है, जिसमें से 102270 क्विंटल धान का ही परिवहन हो पाया है। यहां भी 1199541 क्विंटल धान जाम है।

वनांचल में बुरा हाल

वनांचल क्षेत्र मोहला-मानपुर जिले में 12902 किसानों से 630583.60 क्विंटल धान खरीदा गया है, जिसमें से महज 15180 क्विंटल धान का ही परिवहन हुआ है। इस जिले में 615403 क्विंटल धान अभी भी खरीदी केन्द्रों में पड़ा हुआ है।

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले में खरीदी बंद करने की चेतावनी

दुर्ग जिला

दुर्ग जिले में धान खरीदी के बाद उठाव नहीं होने से हताश जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कर्मचारियों ने तीन जिलों के डीएमओ को आगामी दिनों में धान खरीदी बंद करने की चेतावनी दे दी है। सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि, दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले के 91 फीसदी केन्द्र में धान रखने की जगह नही हैं। इसलिए अब वे धान खरीदी कर समिति को नुकसान में नहीं डाल सकते हैं। दुर्ग सहकारी बैंक के कर्मचारी संघ ने लिखा शेष पेज 4 पर

खुले आसमान में पड़ा धान

हरिभूमि ने दुर्ग जिले के दर्जनभर उपार्जन केन्द्र में पड़ताल की, जहां धान जाम होने के कारण स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई हैं। पाटन के फेकारी केन्द्र में कैंप कव्हर तो ढका गया है, लेकिन इसके बाद भी पचास फीसदी धान खुला रखा हुआ हैं। इसी तरह से बोरीगारका केन्द्र में स्थिति बनी हुई है। इसी तरह से धमधा के भेडसर केन्द्र में खरीदी शेष पेज 4 पर

अनंतश्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज ''रावतपुरा सरकार'' के पावन सानिध्य में

मेडिकल कॉलेज भवन, बालक एवं बालिका छात्रावास का लोकार्पण एवं व्हाइट कोट सेरेमनी

रविवार, 8 दिसम्बर 2024
प्रातः 10:30 बजे
श्री रावतपुरा सरकार अस्पताल परिसर, नवा रायपुर अटल नगर

आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य अतिथि
सर्वश्री विष्णुदेव साय जी
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

विशिष्ट अतिथि
सर्वश्री ओ.पी. चौधरी जी
माननीय वित, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

विशिष्ट अतिथि
सर्वश्री श्यामबिहारी जायसवाल जी
माननीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व चिकित्सा शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

विशिष्ट अतिथि
सर्वश्री इन्द्र कुमार साहू जी
माननीय विधायक, अभनपुर

(S.R.I.M.S.R.)

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस एंड रिसर्च (SRIMSR)

चम्पारण रोड, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

• 635 बेड हॉस्पिटल • 60 बेड आई.सी.यू.

• 150 एम.बी.बी.एस. सीट्स • 9 मॉड्यूलर ओ.टी.

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- बोडो आंदोलन में लंबे समय तक जुड़े रहे हैं गोबिंदा बसुमतारी, अब विधायक
- असम से हरिभूमि के लिए पत्रकार जयंता देबनाथ ने कहा- समझौता कराने में निभाई बड़ी भूमिका

बोडोलैंड के पूर्व उग्रवादी, विधायक गोबिंदा पढ़ाएंगे बस्तर में शांति का पाठ, 6 साथियों के साथ आएंगे

राजकुमार ग्वालानी ▶▶| रायपुर

असम के बोडोलैंड आंदोलन से लंबे समय तक जुड़े रहे गोबिंदा चंद्र बसुमतारी ने उग्रवाद छोड़कर आत्मसमर्पण किया और अब वे असम के उदलगिरी विधानसभा से विधायक हैं। बोडो आंदोलन में लंबे समय तक उग्रवाद और हिंसा को प्रत्यक्ष देखने और आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभा चुके गोबिंदा का जीवन तभी बदल पाया जब उन्होंने हथियार छोड़े और शांति की राह पकड़ी। वे कहते हैं कि हिंसा से कुछ हासिल नहीं ▶▶|शेष पेज 4 पर

हरिभूमि लगातार

बोडो आतंकियों ने छोड़ा था हथियार, शाह के सामने साझा करेंगे विचार

गोबिंदा साथियों के साथ आएंगे 13 दिसंबर को

असम में 50 सालों तक बोडोलैंड आंदोलन चला है। 27 जनवरी 2020 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से बोडो मुद्दे पर बड़ा समझौता हुआ और 15 सौ हथियार बंद उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। इसमें गोबिंदा चंद्र बसुमतारी और उनके साथी भी शामिल थे। आत्मसमर्पण करने के बाद बसुमतारी ने उदलगिरी से 2021 में चुनाव लड़ा और जीतकर विधायक ▶▶|शेष पेज 4 पर

गोबिंदा की समझौते में रही अहम भूमिका

असम में 25 साल से ज्यादा समय तक जो हिंसा का माहौल हम लोगों ने देखा है, उसको जब केंद्रीय मंत्री अमित शाह की पहल पर समझौते के तहत बोडे मुद्दे का समाधान किया गया, तो इसमें आज के विधायक गोबिंदा चंद्र बसुमतारी की अहम भूमिका रही। उनकी पहल पर ही केंद्र सरकार समझौते के लिए तैयार हुई थी, लेकिन समझौते के लिए दो गुट तैयार नहीं थे, लेकिन श्री बसुमतारी ने उनको भी सहमत करने में अहम भूमिका निभाई। समझौते के बाद भी उग्रवाद के पैर पसारने के प्रयास किए, लेकिन असम में जहां भाजपा की सरकार थी, वहीं केंद्र में भी भाजपा की सरकार होने के कारण कड़ाई से उग्रवाद को फिर से सिर उठाने से रोका गया और उग्रवाद करने वालों को जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया गया।

नक्सली हथियार छोड़ मुख्यधारा में लौटें, यही प्रयास : विजय शर्मा

डिप्टी सीएम विजय शर्मा का कहना है असम के पूर्व उग्रवादियों को बस्तर लाकर सामूहिक आत्मसमर्पण और हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के फायदे बताने के पीछे का मकसद यह है कि हमारी सरकार चाहती है कि बस्तर से नक्सलवाद समाप्त हो और नक्सली हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटें। हम आज भी नक्सलियों से किसी भी माध्यम से चर्चा करने के लिए तैयार हैं। नक्सली यदि हथियार ▶▶|शेष पेज 4 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम मोदी को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई पुलिस को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी वाला एक संदेश मिला। जिस नंबर से यह संदेश भेजा गया था, उसका पता राजस्थान के अजमेर में लगाया गया है। ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर प्राप्त व्हाट्सएप संदेश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' के एजेंट का जिक्र है।

डब्लूपीएल नीलामी 15 को 120 की लगेगी बोली

बेंगलुरु। महिला प्रीमियर लीग की 15 दिसंबर को यहां होने वाली मिनी नीलामी में 19 स्थान के लिए 120 खिलाड़ियों की बोली लगेगी, जिनमें 91 भारतीय, 29 विदेशी और एसोसिएट देशों की तीन खिलाड़ी शामिल हैं। नीलामी के लिए कुल 82 'अनकैप्ड' भारतीय खिलाड़ियों और आठ 'अनकैप्ड' विदेशी खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण कराया है। गुजरात जायंट्स 4.4 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी राशि के साथ इस प्रक्रिया में उतरेगी।

ईडी की कार्रवाई में अब तक 2 हजार 295 करोड़ की संपत्ति अटैच

महादेव सट्टा एप..., टिबरेवाल की मॉरीशस और देश में 400 करोड़ की संपत्ति अटैच

- नितिन टिबरेवाल का सहयोगी शेयर ब्रोकर गौरव केडिया भी गिरफ्तार
- मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई केंद्रीय एजेंसी द्वारा कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महादेव सट्टा एप मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। महादेव सट्टा एप की अलग-अलग वेबसाइट के प्रमोटर, पैनल संचालक और प्रमोटरों के सहयोगी हरिशंकर टिबरेवाल की 388 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है। इसके साथ ही महादेव सट्टा एप संचालन करने के आरोप में जेल में बंद नितिन टिबरेवाल के करीबी शेयर कारोबारी गौरव केडिया को ईडी की टीम ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार गौरव केडिया को ईडी ने ईडी की विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ करने पांच दिनों की रिमांड पर लिया है।

हरिभूमि फॉलोअप

महादेव सट्टा एप मामले में केंद्रीय एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है। अटैच की गई संपत्ति में हरिशंकर टिबरेवाल की मॉरीशस की कंपनी तानो इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज फंड की चल संपत्ति भी शामिल है। इसे एफपीआई और एफडीआई के माध्यम से टिबरेवाल ने रकम निवेश किया था। ईडी ने टिबरेवाल से संबंधित छत्तीसगढ़, मुंबई और मध्य प्रदेश में स्थित अचल संपत्तियों को भी अटैच किया है। एजेंसी के मुताबिक यह सभी ▶▶|शेष पेज 4 पर

बेनामी बैंक खातों का जटिल नेटवर्क

ईडी की जांच यह बात सामने आई है कि महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप एक सिंडिकेट के तौर पर काम करता है। इसमें व्यक्ति अपना पंजीकरण करता है। इसके बाद उसका यूजर आईडी बनता है। एप के पास बेनामी बैंक खातों का एक जटिल नेटवर्क है। इसके माध्यम से वह मनी लांड्रिंग को अंजाम देता है। जांच में यह भी पता चला है कि यह एप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सट्टेबाजी को बढ़ावा देता है।

शेयर कारोबारियों पर भी शिकंजा

बेनामी बैंक खातों का जटिल नेटवर्क

ईडी की जांच यह बात सामने आई है कि महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप एक सिंडिकेट के तौर पर काम करता है। इसमें व्यक्ति अपना पंजीकरण करता है। इसके बाद उसका यूजर आईडी बनता है। एप के पास बेनामी बैंक खातों का एक जटिल नेटवर्क है। इसके माध्यम से वह मनी लांड्रिंग को अंजाम देता है। जांच में यह भी पता चला है कि यह एप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सट्टेबाजी को बढ़ावा देता है।

खुलासा कई तरह की खबरें, दुबई में नजरबंदी का हल्ला, इनाम भी घोषित, हकीकत यह कि

महादेव एप के मोस्ट वांटेड सौरभ और रवि ने ले ली वानुआतू की नागरिकता

दुर्ग पुलिस ने रखा था 35 हजार का इनाम

सौरभ के भिलाई निवास पर कुर्की का नोटिस

गौरव की इसलिए गिरफ्तारी

आरोप है कि गौरव केडिया, नितिन टिबरेवाल सहित महादेव सट्टा एप के प्रमोटरों की सट्टे की रकम को शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर व्हाइट मनी में कन्वर्ट करने का काम करता था। इसके चलते ईडी की टीम ने गौरव केडिया को गिरफ्तार किया है।

ईडी ने मनी लांड्रिंग को लेकर की थी कार्रवाई

गौरतलब है कि ईडी ने पिछले साल महादेव सट्टा मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ छापा मारा था। इस दौरान 5 करोड़ 39 लाख रुपए नगदी के साथ 15 करोड़ 59 लाख रुपए का बैंक बैलेंस मिला था। ईडी कई दिग्गज लोगों और फिल्म जगत की हस्तियों से भी पूछताछ कर चुकी है। इन हस्तियों से पूछताछ सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़े होने की वजह से की गई। एप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ आरोपपत्र भी दाखिल किए गए हैं।

अब तक 11 गिरफ्तार

महादेव सट्टा मामले में ईडी ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में चार अभियोजन शिकायतें भी दाखिल की हैं। इससे पहले केंद्रीय एजेंसी ने 142 करोड़ 86 लाख रुपए की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था।

अब तक 23 सौ करोड़ की संपत्ति अटैच

महादेव सट्टा मामले में ईडी ने अब तक सट्टा संचालित करने वाले प्रमोटरों की दो हजार 295 करोड़ 61 लाख रुपए की संपत्ति जब्त या फ्रीज की है। इसमें 19 करोड़ 36 लाख रुपए की नकदी, 16 करोड़ 68 रुपए का सामान और बैंक बैलेंस, प्रतिभूतियों समेत कुल 1 हजार 729 करोड़ 17 लाख रुपए की चल संपत्ति भी शामिल है।

समस्या से मुक्ति, नए भवन में शिफ्ट

हरिभूमि की खबर का असर, छात्रों को मिली शौचालय से मुक्ति

एकलव्य का अजूबा हॉस्टल

जहां नहाती हैं लड़कियां, वहां टांग दिया कैमरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

- हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने उठाया कदम, शौचालय से मिली राहत, मिला नया भवन

नारायणपुर जिले के एकलव्य आदर्श विद्यालय के आदिवासी बच्चों की बदहाली पर हरिभूमि ने ख़बर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। खबर थी कि टॉयलेट में बच्चों का बिस्तर लगाकर उन्हें रखा गया था। खबर प्रकाशित होते ही प्रदेशभर में हंगामा मच गया। प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। छोटेडोंगर से बच्चों को ओरछा शिफ्ट किया जा रहा है। बालक और बालिका वर्ग के 360 बच्चों को दो अलग-अलग भवन दिया जा रहा है। बच्चों को शिफ्ट करने के लिए प्रशासन द्वारा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शाखा में पदस्थ दो मंडल संयोजक, तीन आश्रम अधीक्षक समेत 31 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उल्लेखनीय है कि छोटेडोंगर में बच्चों के लिए बनाए हॉस्टल में शौचालय को ही कमरा बना दिया गया था। बिस्तर टॉयलेट में लगाए गए थे। ▶▶|शेष पेज 4 पर

मंत्री के ऐसे बोल, कहा- उजागर करने वालों पर होगी कार्रवाई

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटेडोंगर के मामले को लेकर मंत्री केदार कश्यप द्वारा अजब बयान देकर बवाल खड़ा कर दिया गया है। मंत्री ने कहा है कि प्रशासन की अनुमति के बिना हॉस्टल जाने वालों पर कार्रवाई होगी। शौचालय की फोटोग्राफी की अनुमति किससे लेकर की गई थी।

Sona Biscuits Ltd., Kolkata, For Distributorship Contact : 033 4045 5555
www.sobisco.com | follow us on facebook/sobisco biscuits

सार 'अ' नाथ

- 76 दिन तक रद्द, लेकिन उत्तर भारत जा रहीं 30 से अधिक मालगाड़ियां
- रद्द करने का कारण बताया गया कोहरा, रेलवे के आदेश का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/बिलासपुर

रेलवे बोर्ड के आदेश पर रेल प्रशासन ने छत्तीसगढ़ से एकमात्र ट्रेन सारनाथ एक्सप्रेस को रद्द किया है, जिसका कारण उत्तर भारत में ठंड और कोहरे को बताया जा रहा है। वहीं घने कोहरे के बावजूद उत्तर भारत की ओर बिलासपुर डिवीजन से प्रतिदिन 30 से अधिक मालगाड़ियां कोयला और अन्य सामानों को लेकर अप डाउन कर रही है, जिसके परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

प्रयागराज में प्रतिवर्ष की तरह वर्ष 2025 में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक कुंभ का मेला लगने जा रहा है। इसमें विदेशों के साथ देश के विभिन्न प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर ▶▶|शेष पेज 4 पर

मालगाड़ियों पर कोहरे का असर नहीं

प्रयागराज में कुंभ का मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। वहीं रेलवे बोर्ड ने सभी रेलवे की 77 ट्रेनों के साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश से प्रयागराज जाने वाली सारनाथ को भी कोहरे के कारण 76 दिन यानी 2 दिसंबर से 27 फरवरी तक तीन माह के लिए अलग-अलग ▶▶|शेष पेज 4 पर

बरौनी एक्सप्रेस उसी रूट से अब भी चल रही

रायपुर। रेलवे ने छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तारीखों में रद्द कर यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी है। रेलवे का यह अजीबोगरीब फैसला दूसरे साल भी आया है, लेकिन यात्रियों को इसके पीछे का तर्क अभी तक समझ नहीं आया। सारनाथ एक्सप्रेस और गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का रूट लगभग एक जैसा ही है। कुछ नए रूट है, लेकिन दोनों ही ट्रेन प्रयागराज व वाराणसी के रास्ते छपरा को जाती है, फिर कोहरे का साया केवल सारनाथ पर ही क्यों बताया जा रहा है! रेलवे का कहना है कि सारनाथ रात 9: 15 को रायपुर से निकलती है, जो सुबह 5 बजे सतना ▶▶|शेष पेज 4 पर

- छपरा जाने बरौनी और सारनाथ एक्सप्रेस का रूट लगभग एक जैसा, लेकिन कोहरे का ग्रहण केवल सारनाथ में ही

विधायक ने ट्रेन नियमित करने की मांग

सारनाथ एक्सप्रेस के 76 दिन तक रद्द किए जाने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने भी रेल प्रशासन को पत्र लिखकर सारनाथ एक्सप्रेस को नियमित रूप से चलाने की मांग की है, ताकि प्रयागराज, बनारस, गया की ओर जाने वाली प्रदेश की एकमात्र ट्रेन सारनाथ एक्सप्रेस के यात्रियों को किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

संसद से सड़क तक कांग्रेस और सांसद राहुल गांधी अडाणी मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी की राजग सरकार व भाजपा को घेरती रही है। हाल में हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने अपने हर भाषण के दौरान अडाणी का नाम लेकर भाजपा व मोदी पर प्रहार किया, नतीजे में कांग्रेस को कोई राजनीतिक फायदा नहीं दिखा। हरियाणा व महाराष्ट्र में हारी, झारखंड व कश्मीर में गठबंधन की जीत हुई, कांग्रेस का अपना प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस की बड़ी जीत हुई तो झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की। लोकसभा चुनाव के दौरान भी राहुल गांधी अडाणी मुद्दे पर मुखर थे, लेकिन कांग्रेस सौ का आंकड़ा भी नहीं छू सकी। अभी जब संसद का शीत सत्र चल रहा है तो कांग्रेस एक बार फिर अडाणी मुद्दे पर सदन में बहस व सरकार से जबाव की मांग कर रही है। खास पैटर्न यह देखने में आ रहा है, भारत में जब चुनाव हो रहे होते हैं, या संसद का सत्र चल रहा होता है, पश्चिमी मीडिया व यूएस से अडाणी समूह को लक्षित करके कोई न कोई रिपोर्ट सामने आती है, जिसके आधार पर कांग्रेस सरकार पर हमलावर हो जाती है। अभी हद तब देखी गई जब राहुल व प्रियंका मोदी अडाणी को टार्गेट करके ‘हम एक हैं तो सेफ हैं’ वाले स्लोगन से सजे टीशर्ट पहन कर सामने आए। इसके बाद से चर्चा तेज है कि कांग्रेस व राहुल गांधी कहीं अडाणी मुद्दे पर अटक गए हैं। कांग्रेस के भीतर भी आवाज है। इस मुद्दे पर सहयोगी दल अलग हो रहे हैं। कांग्रेस ने माना है कि संगठन कमजोर है। इस विषय पर आजकल का यह अंक...

अडाणी मुद्दे पर अटकी कांग्रेस व राहुल की राजनीति

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष की राजनीति में बदलाव देखने को मिल रहा, खासकर इंडिया ब्लॉक की राजनीति में। हर मुद्दे पर सीी विपक्षी दल साथ नहीं दिखते। अडाणी मुद्दे पर ऐसा ही दोने को मिल रही है। अब अंतर यह है कि इस बार न्यूयार्क के एक न्यायालय में अडाणी समूह की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के विरुद्ध मुकदमा दायर होने के बाद यद्यपि राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस फिर इस तेवर को वापस लाने की कोशिश कर रही है, लेकिन आईएनडीआईए के ही सारे घटकों का इसमें साथ नहीं है। संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, सपा आदि शामिल नहीं है। धीरे-धीरे ऐसा लग रहा है कि अडाणी मुद्दे पर कांग्रेस पूरे विपक्ष में भी अलग-थलग पड़ती जा रही है।

संसद के शीत सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उनके साथ कुछ अन्य पार्टियों की भूमिका ऐसी नहीं है, जिन्हें हम आश्चर्य की दृष्टि से देखें। इससे चिंता तो पैदा होती है, लेकिन यह केवल पूर्व के दृश्यों की ही पुनरावृत्ति है। जब अमेरिका के एक शॉर्ट सेलिंग एवं तथाकथित रिसर्च संस्था हिंडेनबर्ग ने अडाणी समूह की कंपनियों को लेकर रिपोर्ट दी तब भी हमने ऐसे ही दृश्य देखे थे। हालांकि तब और अब में कुछ मूलभूत अंतर आ गए हैं। तब राहुल गांधी अवश्य अडाणी का नाम लेकर सरकार पर हमला करते थे, लेकिन विपक्ष की ज्यादातर पार्टियों का स्वर वही होता था। अब अंतर यह है कि इस बार न्यूयार्क के एक न्यायालय में अडाणी समूह की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के विरुद्ध मुकदमा दायर होने के बाद यद्यपि राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस फिर इस तेवर को वापस लाने की कोशिश कर रही है, लेकिन आईएनडीआईए के ही सारे घटकों का इसमें साथ नहीं है। संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, सपा आदि शामिल नहीं है। धीरे-धीरे ऐसा लग रहा है कि अडाणी मुद्दे पर कांग्रेस पूरे विपक्ष में भी अलग-थलग पड़ती जा रही है। राहुल गांधी शायद यह भूल गए थे कि जब उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव के पूर्व मुंबई में अपनी पत्रकार वार्ता में पिटारा खोलकर धारावी और अडाणी व मोदी की चर्चा की तो एक इंटरव्यू में शरद पवार ने इसका खंडन कर दिया। हिंडेनबर्ग रिपोर्ट और वर्तमान मामले में गुणात्मक अंतर यह भी है कि इस बार शेयर मार्केट में केवल एक दिन समस्या आई। इससे देश में ज्यादा हंगामा भी नहीं हुआ। यानी सरकार भी पहले से सचेत थी और तब शेयर बाजार में उथल-पुथल को देखते हुए पूर्व उपाय भी किए गए थे।

अलग-थलग पड़ रही कांग्रेस

जब राहुल गांधी और प्रियंका बाड्रा अपने सांसदों के साथ संसद भवन परिसर में शुक्रवार को जैकेट पहनकर विरोध करते हुए संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी की मांग कर रहे थे तो पहले की तरह माहौल भी नहीं था। भाजपा के सांसदों ने संसद में कांग्रेस, राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस तथा उनकी संस्थाओं के संबंध में जो आरोप लगाए उन पर भी विपक्ष ने न हंगामा किया और न पत्रकार वार्ता बुलाकर भाजपा पर प्रति हमला ही। ज्यादा से ज्यादा उनके सलाहकार रणनीतिकार या मीडिया में एक समूह ही इसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने पर तुला है। कांग्रेस चाहे न चाहे मोटा– मोटी अब संसद की कार्यवाही चल रही है। प्रश्नकाल, शून्यकाल, प्राइवेट मेंबर बिल समेत अन्य सब काम लगभग हो रहे हैं। खास बात यह है कि अडाणी मसले पर कांग्रेस को इंडिया ब्लॉक के अपने सहयोगियों का ही साथ नहीं मिल रहा है। ऐसा लग रहा है मानो कांग्रेस अडाणी मसले पर अटक गई है। आज जब देश में स्वरोजगार की बात हो रही है तो यूथ व्यापार क्षेत्र में उतर रहे हैं, ऐसे में बिजनेस टायकून उनके लिए रोल मॉडल हैं। यही कारण है कि जब से कांग्रेस अडाणी अडाणी का राग अलाप रही है, यूथ कांग्रेस से कनेक्ट नहीं हो रहे हैं।

भारत विरोधी ताकतें हावी

यह बात भी सच है कि ओसीसीआरपी यानी ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने ही न्यूयॉर्क न्यायालय का समाचार छापा और उसके संबंध जार्ज सोरस की संस्था से है। यह तथ्य है कि ओपन सोसायटी सोरोस का ही है और वहां से इस संस्थान का वित्त पोषण होता है। यह पहली बार नहीं है जब संसद सत्र की शुरुआत के पूर्व ओसीसीआरपी ऐसी कोई रिपोर्ट लाती है जिसे कांग्रेस और उसके साथ विपक्ष के अनेक नेता और दल हाथों-हाथ लेते हैं और हंगामा शुरू हो जाता है। हिंडेनबर्ग, पेगासस जासूसी, बीबीसी डॉक्युमेंट्री, मणिपुर का वीडियो, सब एक श्रृंखला में है। उधर ओसीसीआरपी की रिपोर्ट इधर कांग्रेस का ट्वीट या प्रेस कांफ्रेंस और फिर हंगामा। वास्तव में अलग-अलग देशों के शेयर मार्केट में उथल-पुथल मचाने के साथ राजनीतिक परिवर्तन के लिए भी कुख्यात अमेरिकी पूंजीपति एक्टिविस्ट जार्ज सोरोस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार से नफरत करता है और यह सत्ता से हटे इसके लिए जो कुछ बन पड़े, करने की कोशिश भी कर रहा है। भारत के लोकतंत्र से लेकर अभिव्यक्ति की आजादी या नरेंद्र मोदी सरकार के कुछ निर्णयों पर उसकी टिप्पणियां केवल आपत्तिजनक नहीं बल्कि थोड़ी भी गहराई से देखें तो भारत विरोधी हैं। किंतु यह अलग से विश्लेषण का विषय है।

कांग्रेस के लिए आत्मचिंतन का वक्त

यहां केवल इतना कहना पर्याप्त है कि कांग्रेस देश में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली और इस समय भी भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी तथा लोकसभा में विपक्षी पार्टी है। उसे शांत होकर ठंडे मन से सोचना चाहिए कि क्या उसकी भूमिका में देश का हित है या अहित या भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विरोध में कहीं भारत विरोधी शक्तियों का जाने और अनजाने हथियार तो नहीं बन रही है? मैं यह नहीं कह सकता की अदाणी मोदी नारा लगाने वाले सारे सांसद जानबूझकर भारत विरोधी विदेशी शक्तियों का हथियार बन रहे हैं या वो सब देश विरोधी है। बावजूद अगर तथ्यों को देखे तो पूरी परिस्थितियों देखकर इस प्रश्न के साथ भय अवश्य पैदा होता है कि आखिर जो कुछ ये कह रहे हैं उसमें देश हित का किंचित भी ध्यान इन्हें है या नहीं?

किस मामले पर हंगामा

संक्षेप में पूरे विषय को भी समझने की कोशिश करें। मामला अडाणी समूह की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एज्योर पावर से जुड़ा है। 24 अक्टूबर ,2024 को यह मामला न्यूयॉर्क न्यायालय में दर्ज हुआ तथा 20 नवंबर को सुनवाई हुई। न्यायालय ने नोटिस भी जारी कर दिया। इसमें अमेरिकी न्याय विभाग और प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग ने दो अलग-अलग मामलों में 2020 से 2024 के बीच अडाणी की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड पर सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए भारत के कई राज्यों में रिश्वत देने और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इसके अनुसार अडाणी समूह ने भारतीय अधिकारियों को करीब 265 मिलियन डॉलर यानी 2200 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की और इन पैसों को जुटाने के लिए उन्होंने झूठे दावों और योजनाओं को आधार बनाकर अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से भी धन जुटाया गया। इसमें अमेरिका में कहीं किसी कंपनी को घूस देने की बात नहीं है। केवल इतना है कि अडाणी की कंपनी अमेरिका के शेयर मार्केट में लिस्टेड है और वहां बॉन्ड इश्यू कर निवेशकों के पैसे लिए गए। अमेरिकी कानून के अनुसार घूस कहीं भी दिया गया हो इसका थोड़ा हिस्सा भी अमेरिका से गया हो तो मुकदमा चलाया जा सकता है।

यूएस एजेंसी की रुचि अडाणी में क्यों

हम और आप न अडाणी समूह को ईमानदार होने का प्रमाण पत्र दे सकते हैं न भ्रष्ट होने का। रिश्वत दी गई नहीं दी गई इस बारे में भी अंतिम निष्कर्ष देने से बचते हैं। लेकिन जरा सोचिए, रिश्वत भारत में दिया गया तो अमेरिका के कुछ लोगों को इसकी चिंता क्यों हो गई? ये कौन लोग हैं जिनकी भारत में विशेष कर अडाणी समूह में इतनी अभिरुचि है? अगर है तो क्यों है? आखिर विदेश में हुए किसी मुकदमे पर देश में हंगामा कर उसे सच मानने का समर्थन किए जाने के पहले इन प्रश्नों पर तो विचार करना ही चाहिए। किसी आम अमेरिकी निवेशक ने अमेरिका में इसकी शिकायत नहीं की। आप ऐसा नहीं करना चाहते तब भी अगर मामला न्यूयॉर्क के न्यायालय में है तो वहां होने वाले फैसले की ही प्रतीक्षा कर ली जाए। जिन राज्यों में रिश्वत देने की बात न्यूयॉर्क न्यायालय के मुकदमे में की गई है उनमें तेलंगाना और तमिलनाडु भी हैं। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार अपनी ओर से प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर ले। तमिलनाडु के द्रमुक व कांग्रेस गठबंधन सरकार ऐसा कर ले। कांग्रेस के अंदर के नामी वकील स्वयं मामला लेकर उच्चतम न्यायालय चले जाएं। चूंकि न्यायालय ने पूरी कार्यवाही और अपने स्तर से औपचारिक जानकारियां हासिल करने के बाद हिंडेनबर्ग मामले की सारी याचिकाओं को खारिज कर दिया, इसलिए ये न्यायालय का दरवाजा खटखटाना से बचते हैं। सच कहूं तो अडाणी ही नहीं कई अन्य मामलों में ये उच्चतम न्यायालय को संदेह के घेरे में ले आते हैं। हम और आप इतना तो विश्वास अवश्य करेंगे कि कम से कम उच्चतम न्यायालय वैसी कोई याचिका खारिज नहीं करेगी, जिनमें वाकई कानूनी कार्रवाई के योग्य तथ्य होंगे। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकार - सलाहकार अवश्य विचार करें कि कहीं ऐसा न हो स्वयं कांग्रेस के अंदर ही इस मुद्दों को लेकर विद्रोह हो जाए और एक बड़ा वर्ग स्वयं को अलग कर ले। महाराष्ट, छत्तीसगढ़, नई दिल्ली से कांग्रेस के अंदर आवाज उठने भी लगी है इन नेताओं को लगता है कि कांग्रेस जनता के असली मुद्दे उठाने के बजाय अडाणी के मुद्दे पर अटक सी गई है, क्योंकि राहुल गांधी पिछले पांच साल से अडाणी को ही किसी न किसी बहाने राजनीतिक निशाने पर ले रहे हैं। इससे उनके सहयोगी दल असहज महसूस कर रहे हैं।

अडाणी तीर से भाजपा पर वार

कांग्रेस
सुनील अमर
वरिष्ठ स्तंभकार

पिछले साल जनवरी में अमेरिकी कम्पनी हिन्डनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट ने भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का जो आरोप लगाया था, वह सिलसिला अब एक प्राइवेट कम्पनी से चलकर खुद अमेरिकी सरकार तक आ गया है। अमेरिका के कानून विभाग का आरोप है कि अडाणी समूह ने कारोबारी लाभ लेने के लिये ढाई हजार करोड़ रुपयों का घूस भारतीय अधिकारियों व नेताओं को देकर ऑकड़ों का फर्जीवाड़ा किया है जिससे इस समूह में निवेश किये अमेरिकी नागरिकों व बैंकों के हितों को नुकसान पहुंचा है और इस प्रकार यह एक आपराधिक मामला है। उद्योगपति गौतम अडानी के भतीजे का मोबाइल फोन जब्त कर अमेरिकी अधिकारियों ने कुछ सूचनाएं निकाली थीं, जिसके बाद वहां की अदालत ने यह आपराधिक मामला दर्ज किया है। मामले की गम्भीरता इसलिये गौरतलब है कि इसने दुनिया के अन्य देशों का भी ध्यान और कार्यवाही को आकर्षित किया है। केन्या ने तो तुरन्त कार्यवाही करते हुए अडाणी समूह से हुए 736 मिलियन डॉलर के पावर प्रोजेक्ट का करार रद्द कर दिया है।

इधर देश में, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की अगुआई में कई अन्य विपक्षी दलों ने संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र में इस पर बहस व संयुक्त संसदीय जांच की मांग को लेकर सप्ताह भर से अधिक समय से आन्दोलन छेड़ रखा है और भारत के संसदीय इतिहास में अभूतपूर्व के तौर पर प्रधानमन्त्री का नाम एक उद्योगपति के साथ जोड कर- ‘मोदी अडानी एक हैं। एक हैं तो सेफ हैं।’ का नारा लिखी जैकेटों को पहन कर संसद परिसर में प्रदर्शन किया है। उधर भाजपा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी कहते हैं कि जब संसद का सत्र चलना होता है तभी इस तरह के आरोप विदेशों से आते हैं। अगर इसमें सच्चाई हो भी तो यह देखना होगा कि संसद में उठने के कारण मीडिया में ऐसे आरोपों की थोड़ी चर्चा हो भी जाती है अन्यथा जिस तरह बड़ा देसी मीडिया ‘विपक्ष-विमुख’ हो गया है उसमें तो ऐसे आरोप पर्दे के पीछे से ही कालातीत हो जाते।

बहस और जांच लोकतन्त्र की आत्मा है। इन दोनों को हटा दीजिये तो शासन निरंकुश और तानाशाह हो जाता है। अब दुर्भाग्य यह है नारा लगाने और जैकेट धारण करने वाली कांग्रेस का खुद अपना अतीत ही ऐसे तमाम भ्रष्टाचारों (नरसिम्हाराव को याद करें) व तानाशाही हरकतों से भरा पड़ा है। सच तो यह है कि कांग्रेस या कहें कि इन्डी गठबन्धन को अडाणी समूह से कोई दिक्कत नहीं है बल्कि अडाणी प्रसंग को वह एक तीर की तरह सत्तारुढ़ भाजपा पर चला रहे हैं। दिक्कत होती तो कांग्रेस शासित राज्यों में अडाणी का कारोबार नये आयाम न छू रहा होता।

अडानी देश के शीर्ष व्यवसायी हैं। सरकार और भाजपा दोनों को उनमें अपनी-अपनी संभावनायें दिखती हैं। विपक्ष का आरोप है कि वे प्रधानमन्त्री के साथ विदेश यात्रायें करते हैं और प्रधानमन्त्री विदेशों में उनके हितों की पैरवी करते हैं। केन्या, श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि ऐसे देश हैं जहां प्रधानमन्त्री की यात्रा के बाद अडाणी समूह को व्यापारिक अनुबन्ध प्राप्त हुये थे लेकिन अब ये देश ऐसे अनुबन्ध को रद्द कर चुके या इसकी समीक्षा करने की कार्यवाही में हैं। जानकार लोग ये अनुमान भी लगा रहे हैं कि अमेरिका में अगले महीने होने वाले सत्ता परिवर्तन से अडाणी समूह को राहत मिल सकती है। कहा यह भी जा रहा है कि ग्रीन एनर्जी के जिस मामले में अमेरिका अडाणी समूह पर कार्यवाही कर रहा है, उसमें वह खुद भी एक खिलाड़ी है और ऐसा आरोप वह व्यावसायिक प्रतिद्वन्द्वितावश कर रहा है। दुनिया में इधर ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में स्वीडन, डेनमार्क, जर्मनी, अमेरिका, स्पेन व पुर्तगाल जैसे कई देश काम कर रहे हैं और स्वाभाविक ही व्यावसायिक प्रतिद्वन्द्विता चल रही है।

सत्ता में आने के बाद प्रधानमन्त्री मोदी ने कई अवसरों पर ‘मेक इन इन्डिया’ और ‘आत्मनिर्भर भारत’ का नारा दिया लेकिन व्यवहार में इस नारे का प्रतिफलन सबसे ज्यादा अडाणी समूह पर ही अवतरित हुआ दिखता है। यह समूह आज ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक, खदान, उड्डयन, कृषि, रियल इस्टेट और टेलकॉम क्षेत्रों तक फैल गया है। आरोप जांच और राजनीति का विषय होते हैं लेकिन गौतम अडाणी समूह की उद्यमिता से देश में रोजगार व कारोबार के अवसर पैदा हुए हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

विश्व के कारोबारी चरित्र में परिवर्तन आया है। अब कुछ बड़े खिलाड़ी ही संचालक और निर्णायक बन रहे हैं। हमारे देश की बाजारु निर्भरता चीन पर बढ़ती जा रही है। बीते साल भारत और चीन का व्यवसाय 118 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा है। भारत में वैसे तो सारा घरेलू बाजार चीनी सामानों से पटा हुआ है, क्योंकि ये सामान काफी सस्ते होते हैं, पर मुख्य रूप से दवाओं के यौगिकों, टेलीकम्यूनिकेशन व इलेक्ट्रानिक सामान आदि के लिये हम एकदम से चीन पर निर्भर हैं। दवा कम्पनियों की तो हालत यह है कि वे अपने यौगिकों, जिन्हें ए.पी.आई. कहा जाता है, का 66 प्रतिशत चीन से आयात करती हैं। यही हाल देश की इलेक्ट्रॉनिक जरूरतों का है जिसका लगभग 44 प्रतिशत हम चीन से मंगाते हैं जो कि सुरक्षा कारणों से एक गम्भीर खतरा भी है। कहने का तात्पर्य यह है कि चीन से जिस तरह के हमारे जटिल और चिन्ताजनक राजनीतिक सम्बन्ध हैं उसे देखते हुये भारत में भी एक सं अधिक अपना ‘अलीबाबा’ होना ही चाहिये। सम्भव है कि सरकार की रणनीति में भी भारतीय उद्यमियों को बढ़ावा देने की सोच प्राथमिकता में हों। चीन पर निर्भरता को हम अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को बढ़ा कर ही कम कर सकते हैं। इसके लिये अपने देसी उद्यमियों को प्रोत्साहित करना होगा। इसके अलावा सिर्फ एक देश के बजाय अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन आदि से व्यापार बढ़ा कर ही हम आयात नीति में संतुलन बना सकते हैं। अभी चीन के साथ व्यापार असंतुलन की स्थिति है। हम आयात ज्यादा कर रहे हैं।

संसद साल भर में सीमित अवधि के लिये चलती है और उसमें भी उसका एक लम्बा हिस्सा हठधर्मिता और बहिर्गमन जैसे प्रसंगों में निकल जाना न सिर्फ चिन्ता का विषय है बल्कि देश की संसदीय व्यवस्था और उसकी उपादेयता पर भी नये सिरे से सोचने को बाध्य करता है। विपक्ष अगर जांच या बहस की मांग करता है तो इसमें सरकार को आपत्ति क्यों होनी चाहिये? राजनीतिक दलों की बहस और सवालों के लिये ही तो संसदीय सत्र आहूत किये जाते हैं। जांच की स्थिति अब यहां तक आ गयी है कि बार-बार सर्वोच्च न्यायालय को ही कमेटी बनानी पड़ रही है। यह स्थिति ठीक नहीं कही जा सकती। संसद में सबकी आवाज सुनी जानी चाहिए।

जनता के मुद्दों से दूर हो रही कांग्रेस

दो टूक
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र और झारखंड के बाद अब बारी दिल्ली विधानसभा चुनाव की है और अब इसमें को दो राय नहीं कि यहां दो बार से लगातार जीतती आ रही आम आदमी पार्टी इस बार भी चुनावी रणनीति से लेकर प्रचार के मामले में बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर बढ़त बनाए हुए है। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल ये कि राहुल गांधी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी की खाक छानते हैं लेकिन उनकी नाक के नीचे दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी ने 15 साल तक राज किया था। उसी दिल्ली को राहुल गांधी ने क्या इस बार भी आम आदमी पार्टी की झोली में डालने का मन बना लिया और ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि दिल्ली में इस बार जो चुनाव होंगे तो खुद केजरीवाल और उनके कई नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे हैं ऐसे में बीजेपी के साथ ही कांग्रेस के लिए एक मौका है। लेकिन लगता है कि कांग्रेस पार्टी ने एक रणनीति के तहत केजरीवाल के सामने अचानक सरेंडर कर दिया है। मौजूदा स्थिति में अगर संसद से सड़क तक कांग्रेस व राहुल गांधी की राजनीति देखें तो प्रतीत हो रहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी केवल अडाणी के मुद्दे पर ही अटक सी गई है। कांग्रेस किसी भी स्तर के चुनाव के लिए संबंधित राज्य या अन्य किसी घटनाक्रम पर कोई चर्चा नहीं कर रही।

जमीनी राजनीति से दूर

यदि दिल्ली के परिवेश में चर्चा करे तो अब भी कांग्रेस ने दिल्ली की समस्याओं से संबंधित या चुनावी रणनीति के तहत अब तक कोई बयान नही दिया। राहुल गांधी के साथ अब सदन में वायनाड से चुनाव जीतकर एंट्री की ओर तब से वह भी आक्रामक शैली अपनाती नजर आ रही है लेकिन समस्या यह है वह भी केवल अडानी के मुद्दे पर ही बात कर रही है। यहां दोनों नेताओं को यह समझना पड़ेगा कि देश में आम जनता को अपने से जुड़े मुद्दे समझ में आते हैं। अडाणी के मामले से किसी आमजन को किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं है और किसी भी घटनाक्रम की सीमा होती है। हर रोज प्रेस कॉन्फ्रेंस करके या अपने चुनावी भाषण एक ही बात को करना जनता को समझ नहीं आ रहा। दरअसल कांग्रेस बीते लगभग तीन वर्षों में किसी भी राज्य व लोकसभा चुनाव में जितनी ऊर्जा के साथ लड़ी,उतनी ऊर्जा दिल्ली के परिवेश में नहीं दिख रही। इस बात को लेकर हर कोई आश्चर्यचकित है कि कांग्रेस ऐसा क्यों कर रही है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का एक मानना यह भी है कि यह चुनाव कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अघोषित गठबंधन भी हो सकता है। यहां अघोषित गठबंधन से अभिप्राय यह है कि वह खुले तौर पर एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस केवल नाम मात्र के लिए ही चुनाव लडेग़ी। आज के दौर में इसका सबसे बड़ा उदाहरण मायावती के रूप में देखा जा सकता है। इसके अलावा कांग्रेस के बडे. चेहरे भी आम आदमी पार्टी व बीजेपी में शामिल हुए। कांग्रेस के दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली का बीजेपी में शामिल होना एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। लवली कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी माने जाते थे। हालांकि पहले यह भी कहा जा रहा था कि दोनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे लेकिन बाद में दोनों ने एकला चलो की नीति अपनाई है और राहुल गांधी के करीबी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव करीब एक महीने से न्याय यात्रा निकाले हुए हैं लेकिन राहुल ने अब तक इसमें हिस्सा ही नहीं लिया है। जबकि इस न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने शुरुआत में खूब हवा बनाई थी। लेकिन जैसे जैसे समय बीत रहा है कांग्रेस पार्टी जमीन पर कुछ खास करती हुई नजर नहीं आ रही है, जैसा पहले लग रहा था।

कहां खड़ी है कांग्रेस

दरअसल, इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पहले से अच्छा प्रदर्शन किया था और माना गया कि मुस्लिम मतदाताओं का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और जहां तक बात दिल्ली में मुस्लिम मतदाताओं की तो वो करीब 11 से 12 फीसदी है और 70 विधानसभा सीटों में से आठ विधानसभा सीटें तो मुस्लिम बाहुल्य है। जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 35 से 60 फीसद तक है और आम आदमी पार्टी के उदय से पहले यहां कांग्रेस के प्रत्याशी ही जीतते रहे थे। ऐसे में इस बार कांग्रेस को फिर से वापसी का प्रयास करना चाहिए था और उसमें उसे कामयाबी भी मिल सकती थी। क्योंकि 2015 और 2020 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को शून्य सीटें मिली थी। ज्ञात हो कि यह वही कांग्रेस और आम आदमी पार्टी हैं जो 1993 के विधानसभा चुनाव में एक दूसरे को गाली देते हुए लड़े और जब लगा कि बीजेपी सत्ता में आ सकती है तो दोनों एक हो गए लेकिन इनका साथ 50 दिनों तक भी नहीं चला। तब कांग्रेस को चौबीस फ़ीसदी से अधिक वोट मिले थे। लेकिन इसके बाद जो हुआ उसका आंकड़ा गौर करने वाला है। 2015 में कांग्रेस का वोट फीसदी दस फीसदी के करीब रहा और 2020 में कांग्रेस का आंकड़ा गिरकर पांच फीसदी के करीब आ गया। इधर बीजेपी का वोट प्रतिशत तीस फीसदी या उससे ज्यादा बना हुआ है। जबकि आम आदमी पार्टी का वोट फीसदी 53 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है। यानी अगर देखा जाए तो क्या दिल्ली में बीजेपी को दूर रखने के लोकसभा चुनाव में भी दोनों ने दिल्ली में मिलकर लड़ा था हालांकि दोनों को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। इसके अलावा फ्रांसीसी अखबार में छपी इस रिपोर्ट के आधार पर बीजेपी के सांसदों ने कांग्रेस को सदन में घेर लिया। बीजेपी के सांसदों ने कांग्रेस और विपक्ष के नेता पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने ओसीसीआरपी का मुद्दा जमकर उठाया और विपक्ष पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि जब भी संसद का सत्र चल रहा होता है, उसी समय विदेशों में कोई ना कोई रिपोर्ट सामने आ जा जाती है। इसमें कांग्रेस की कोई चाल नजर आती है। बहरहाल,दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में किस तरह के किरदार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएगी फिलहाल उसकी तस्वीर स्पष्ट नहीं है लेकिन अंतिम समय में क्या निर्णय व परिस्थितियां बनती है यह समय ही बताएगा। कांग्रेस को जनता के मुद्दे पर राजनीति करनी चाहिए।

दो दिनों में 400 करोड़ क्लब में हुईं शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' बॉक्स ऑफिस पर कमाई की सुनामी लेकर आई है। एक ऐसी सुनामी, जो कहां जाकर दम लेगी, यह कहना अभी मुशिक्ल है। यह फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और इसने ओपनिंग डे पर देश और दुनिया में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड बनाया।

शुक्रवार को कामकाजी दिन होने के बावजूद इसने ना सिर्फ बंपर कमाई की है। बल्कि दो दिनों में 2020 में रिलीज 'पुष्पाः द राइज' की लाइफाइटम कमाई को भी पछाड़ दिया है। दो दिनों में ही 500 करोड़ के बजट में बनी 'पुष्पा 2' वर्ल्ड वाइड 400 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। ऐसे में लगने लगा है कि यह आमिर खान की 'दंगल' के 2070.30 करोड़ के हाईएस्ट ग्रॉस कलेक्शन के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकती है। सुकुमार के डायरेक्शन में बनी 'पुष्पा 2' को दर्शकों और समीक्षकों से भी तारीफ मिली है। ऐसे में यह साफ है कि यह फिल्म अपने चार दिनों के वीकेंड के बाद भी दमदार कमाई करती रहेगी। दूसरे दिन एक और मजेदार बात हुई है। ओपनिंग डे पर जहां तेलुगू वर्जन की कमाई सबसे अधिक थी, वहीं अब दूसरे दिन हिंदी वर्जन ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी है और इसने कलेक्शन में तेलुगू वर्जन को भी पछाड़ दिया है। 'पुष्पा 2' ने पहले दिन गुरुवार को दुनियाभर में 275.20 करोड़ रुपए की कमाई की थी। दूसरे दिन शुक्रवार को इसने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 146.10 करोड़ रुपए का ग्रॉस बिजनेस किया है। इस तरह दो दिनों फिल्म का टोटल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 421.30 करोड़ रुपए है। इतना ही नहीं, फिल्म ने दो दिनों में विदेशी सिनेमाघरों में भी 100 करोड़ रुपए की ग्रॉस कमाई कर ली है। जबकि देश में इसने 321.30 करोड़ रुपए की ग्रॉस कमाई की है। अब पेड प्रीव्यू और दो दिनों की कमाई को जोड़ें तो, 'पुष्पा 2' ने तेलुगू वर्जन से 119.55 करोड़ रुपए की कमाई की है। जबकि हिंदी वर्जन से सबसे अधिक 127.20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन हुआ है। तीसरी सबसे बड़ी कमाई तमिल वर्जन से हुई है, जो 13.50 करोड़ रुपए है।

तीनों सितारे एक साथ करेंगे फिल्म

नई दिल्ली। आमिर खान, सलमान खान और शाहरुख खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार्स हैं। तीनों ने लगभग 90s में फिल्मों की दुनिया में एंट्री मारी थी, लेकिन अभी तक साथ काम नहीं किया। हाल ही में आमिर खान ने सलमान खान और शाहरुख खान के साथ फिल्म करने की इच्छा जाहिर की। रेड सी फिल्म फेस्टिवल में आमिर ने बताया कि लगभग 6 महीने पहले उनकी सलमान-शाहरुख एक फिल्म करने को लेकर बातचीत हुई थी और तीनों सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं। मैंने खुद ही इसकी शुरुआत की और शाहरुख-सलमान से कहा कि अगर हम तीनों एक साथ फिल्म नहीं करते है, तो यह बहुत दुखद होगा। मुझे लगता है कि सलमान और शाहरुख भी इस बात से सहमत थे और उन्होंने कहा कि हां, हम तीनों को साथ में एक फिल्म करनी चाहिए।

दो सौ करोड़ क्लब में शामिल हुईं 'भूल भुलैया 3'

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 दिवाली पर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई। इस फिल्म को फैंस ने बहुत पसंद भी किया। अब फिल्म की रिलीज को 1 महीने से ज्यादा हो गया है। फैंस इस फिल्म के ओटीटी पर आने का इंतजार कर रहे हैं। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' 200 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। फिल्म का निर्देशक अनीस बज्मी ने किया। फिल्म जनवरी में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। फिल्म 'भूल भुलैया 3' इस साल की बड़ी फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है। फिल्म ने रिलीज के दूसरे हफ्ते में ही 200 करोड़ का बिजनेस कर लिया। इस उपलब्धि से आर्यन बेहद खुश हैं और उन्होंने अपनी खुशी इंस्टाग्राम पर शेयर की।

ओटीटी पर आज रिलीज होगी फिल्म 'कंगुवा'

मुंबई। साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा के रिलीज का दर्शकों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार था। इस फिल्म ने 14 नवंबर को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी। ये फिल्म कमाई के मामले में असफल साबित हुई। ऐसे में अब सूर्या और बॉबी की ये कंगुवा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। 8 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफार्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है। ये फिल्म अभी फिलहाल तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में ही रिलीज किया जा रहा है, हिंदी में नहीं।

आम सूचना

सर्व जन को सूचित किया जाता है की हमारे रजिस्टर्ड ब्रांड जैन चुस्की / जिसको भारतीय ट्रेड मार्क अधिनियम 1999 में पुरे भारत वर्ष में उपयोग करने का अधिकार वर्ष 2007 में दिया है यह कि बाजार में हमारे रजिस्टर्ड ब्राड जैन चुस्की / से मिलते जुलते बहुत सारे ब्राडों के नाम पर चाय पत्ती को बेंचा जा रहा है। हमारे द्वारा डिस्ट्रिक्ट कमर्शियल कोर्ट रोहिनी कोर्ट, दिल्ली में CS(comm.) No.681/2024, in the matter of: Yashwant Jain, Trading as: Jain Traders Versus Hemant Kumar Goyal, Trading as: Goyal Traders में आदेश दिनांक 25/11/2024 को कार्यवाही की गई थी तथा मिलते जुलते जैन चुस्की / चाय, के प्रोडक्ट को बनाने से रोकने का आदेश दिये गए है। अतः आप सभी को सुचित किया जाता है की अगर मार्केट में हमारे ब्रांड जैन चुस्की / से मिलते जुलते कोई भी ब्रांड मिले तो हमें सुचित करे ताकि हमारे द्वारा उचित कानूनी कार्यवाही की जा सके ।

जनहित में जारी :-
अंकुर तिवारी, अधिवक्ता
मुबिना खान, 9584767999, जैन ट्रेडर्स

स्टेज पर ही गायक को सिखाई कन्नड़

मुंबई। दीपिका पादुकोण दिलजीत दोसांझ के बैंगलोर कॉन्सर्ट में पहुंची। इतना ही नहीं उन्होंने स्टेज से दिलजीत को कन्नड़ भाषा बोलनी भी सिखाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी बेटी की परवरिश में व्यस्त हैं। दीपिका ने इस साल सितंबर में अपनी बेटी दुआ का स्वागत किया। दीपिका ने अपनी प्रेगनेंसी के दौरान भी काम किया था। इन दिनों वे मीडिया से कुछ दूर हैं। हाल ही दीपिका दिलजीत दोसांझ के बैंगलोर कॉन्सर्ट में पहुंचीं। वे इस शो में स्टेज पर पहुंची साथ ही उन्होंने पंजाबी गायक को कन्नड़ की कुछ पंक्तियां भी समझाईं। दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दिलजीत अपनी आवाज का जादू प्रशंसकों पर चलाते नजर आ रहे हैं।

टीवी मसाला

करणवीर के इर्द-गिर्द घूम रहा बिग बॉस हाउस

नई दिल्ली। रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 18 का अपकमिंग वीकेंड का वार काफी दिलचस्प रहने वाला है। क्योंकि, इस हफ्ते सलमान खान नहीं बल्कि फराह खान खिलाड़ियों से मुखातिब होंगी। मेकर्स ने प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है जिसमें फराह खान को अप्रत्यक्ष रूप से यह इशारा करते देखा जा सकता है कि करणवीर मेहरा शो के लिए सबसे ज्यादा टीआरपी ला रहे हैं।

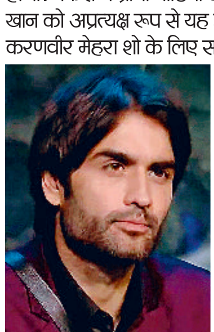

फराह खान ने जिस तरह करणवीर मेहरा की तारीफों के पुल बांधे हैं उससे यह भी माना जा रहा है कि इस बार का सीजन करणवीर मेहरा ही जीतने वाले हैं। कमेंट सेक्शन में तो फैंस ने करणवीर मेहरा को अभी से सीजन का विनर बताना शुरू कर दिया है। रोहित शेट्टी होस्टेड शो 'खतरों के खिलाड़ी' के विनर रहे करणवीर मेहरा उन गिने-चुने खिलाड़ियों में शुमार हैं जिन्होंने विवियन डीसेना को कांटे की टक्कर दी है। विवियन डीसेना इस सीजन में लाडला नाम से मशहूर हुए हैं और वह लगातार यह दावा करते रहे हैं कि इस सीजन की ट्रॉफी वही घर लेकर जाएंगे। लेकिन क्या वाकई ऐसा होने वाला है? इस सवाल का जवाब तो ग्रैंड फिनाले एपिसोड में ही मिलेगा। लाल कपड़ों में शो होस्ट करने पहुंचीं फराह खान ने नए प्रोमो वीडियो में कहा, "बिग बॉस में आपका स्वागत है जिसे बाहर की दुनिया में करणवीर मेहरा शो के नाम से भी जाना जा रहा है।"

अरमान-अभिरा की जिंदगी में आएगा तूफान...

नई दिल्ली। टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया गया है। टीआरपी लिस्ट में लगातार टॉप 5 में बने हुए समृद्धि शुक्ला और रोहित पुरोहित स्टारर इस टीवी सीरियल के अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि अभीर की वजह से गोयनका परिवार और पौद्दार परिवार के समीकरण बिगड़ने वाले हैं। अभीर अपनी बहन अभिरा से इस हद तक नाराज है कि वह उसकी जिंदगी बर्बाद करने पर तुल आएगा। टीवी सीरियल **YRKKH** के अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि अभीर की वजह से शो में हाई वोल्टेज ड्रामा होगा। शो के नए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि पूजा के वक्त अभिरा अपने बच्चे को पालने से उठाएगी और अरमान से कहेगी, 'जो जिंदगी मैंने सिर्फ सपने में देखी थी, यकीन नहीं हो रहा है कि मैं उसे जी रही हूं।' कावेरी और विद्या पूछेंगी कि बच्चे का मामा अभीर कहां है? ठीक तभी दरवाजे से अभीर हाथ में एक बड़ा सा गिफ्ट बॉक्स लेकर दाखिल होगा।

तरकश

- संजय के. दीक्षित

छत्तीसगढ़ का भाग्यदोष

मध्यप्रदेश के बंटवारे के दौरान वहां के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कैडर आबंटन में ऐसी चकरी चलाई कि अधिकांश छंटे हुए आईएएस छत्तीसगढ़ आ गए। उसके बाद रही-सही कसर छत्तीसगढ़ पीएससी ने पूरी कर दी। डिप्टी कलेक्टर प्रशासन के रीढ़ माने जाते हैं। मगर पीएससी ने भर्ती में ऐसा खेला किया कि छत्तीसगढ़ में प्रशासन की रीढ़ ही टूट गई। जो नायब तहसीलदार बनने लायक नहीं थे, वे दरबारी और टामन युग में डिप्टी कलेक्टर बन गए उसके बाद आईएएस भी। ऐसे अफसरों से क्या उम्मीद की जा सकती है। अभी राज्य प्रशासनिक सेवा के 14 अधिकारियों को आईएएस अवार्ड हुआ है, उनमें दो-तीन को छोड़ दें तो बाकी कर्मकांडियों के आईएएस बनने पर भगवान भी हैरान होंगे। इनमें से दो अफसरों ने रायपुर और दुर्ग में पोस्टिंग के दौरान अवैध प्लाटिंग की धूम मचा दी थी। पहले अवैध प्लाटिंग के लिए नोटिस दो और लिफाफा मिलने पर केस क्लियर। ऐसे प्रशासनिक अधिकारियों से छत्तीसगढ़ को क्या उम्मीद होगी। दिल को तसल्ली देने के लिए यही कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ का भाग्य ही खराब है।

जीरो टॉलरेंस का मैसेज

सरकार ने आईएएस अवार्ड में अपनी तरफ से जीरो टॉलरेंस की भरपूर कोशिश की। जीएडी को इंस्ट्रक्शन था कि किसी दागी को आईएएस अवार्ड नहीं करना है। पीएससी की परीक्षा नियंत्रक रही आरती वासनिक के खिलाफ सीबीआई ने इंटरव्यू के दो दिन पहले ही एफआईआर की रिपोर्ट भेजी थी। वरना, आरती वासनिक का ड्रॉप करने का कोई आधार नहीं था। बाकी लोग सीनियरिटी में आ गए तो डीपीसी के मेम्बर रेणु पिल्ले और मुकेश बंसल भी कुछ नहीं कर सकते थे। आरती वासनिक का नाम कट गया इसलिए नायब तहसीलदार से भर्ती हुए वीरेंद्र बहादुर पंच भाई तक की किस्मत का पिटारा खुल गया। वे भी आईएएस अफसर बन गए। कह सकते हैं, छत्तीसगढ़ में चना-मुर्रा वाला हाल हो गया है आईएएस का।

नए चीफ सिकरेट्री कौन?

हालांकि, चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन के रिटायरमेंट में अभी छह महीने से अधिक समय बाकी है। मगर उनकी गद्दी संभालने वाले की चर्चाएं ब्यूरोक्रेसी में अभी से शुरू हो गई हैं। अमिताभ के बाद सीनियरिटी में 91 बैच की रेणु पिल्ले और 92 बैच के सुब्रत साहू हैं। 93 बैच में फिर अमित अग्रवाल हैं। अमित इस समय भारत सरकार में पोस्टेड हैं और सबसे अधिक संभावनाएं उनकी बताई जा रही है। अमित की संभावनाएं इसलिए कि उनके बाद 94 बैच में मनोज पिंगुआ और ऋचा शर्मा हैं। इनमें से अगर किसी को सीएस बनाया जाएगा तो एक को फिर मंत्रालय से बाहर पोस्टिंग देनी होगी। चूकि दोनों अच्छे अफसर हैं, इसलिए सरकार ऐसा चाहेगी नहीं। ऐसे में, एक ही रास्ता है कि अमित अग्रवाल छत्तीसगढ़ लौटें। यद्यपि, अमित दिल्ली में अच्छे पोजिशन में हैं, खुद भी छत्तीसगढ़ लौटने के इच्छुक नहीं दिख रहे। मगर जैसे कि कई राज्यों में दिल्ली से चीफ सिकरेट्री भेजा गया है, वैसा कुछ हुआ तो फिर अमित को लौटना पड़ेगा। उच्च स्तर की लोगों की इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात होने की चर्चाएं भी हैं। बहरहाल, अमित आएं या न आएं, उनके नाम से ही ब्यूरोक्रेसी में धकधकी शुरू हो गई है...अफसरों का आखिर रामराज खतम हो जाएगा।

चेंबर में कैमरा

घर-परिवार से असंतुष्ट या आदत से लाचार छत्तीसगढ़ के कुछ अफसरों के इधर-उधर बहकते कदम की चर्चाएं अब पब्लिक डोमेन में होने लगी हैं। अलबत्ता, ये भी सही है कि ऐसे मामलो को चटपटा बनाने उसमें मिर्च-मसाले भी मिला दिए जाते हैं। फिर भी...बिना आग के धुंआ निकलता नहीं। जीएडी सिकरेट्री को इसके लिए काउंसलिंग करनी चाहिए। आखिर, इससे राज्य का नाम ही खराब होगा। बरसते नोटों की गड्डियां, गोल्ड-डायमंड की ज्वेलरी और महंगे उपहारों की चकाचौंध में घरवालियां व्यस्त हो जाती हैं, और अफसर लगते हैं गुल खिलाने। कायदे से जितने बड़े अफसर, उनके लंगोट उतने ही टाईट होनी चाहिए। मगर कलयुग ये है। दरअसल, कुछ फर्म और कंपनियां सुनियोजित ढंग से अफसरों को ट्रेप करने के लिए हनी गर्ल याने खूबसूरत लड़कियों को अपाइंट कर लिया है। उनका काम ही है चिकनी-चुपड़े बात कर अफसरों को फंसाना और उसके बाद मनमाफिक फाइलों को ओके कराना। हनी गर्ल के जाल में अफसर ट्रेप होते जा रहे हैं और हिट विकेट भी। हालांकि, चरित्र को लेकर चौकस कुछ अफसर विषकन्याओं से बचने अपने चेंबर में कैमरा लगाने लगे हैं। पारदर्शिता की दिशा में ये अच्छा कदम है। सरकार को इसे एप्रीसियेट करनी चाहिए।

पसंद अपनी-अपनी

विषकन्याओं की बात आई तो एक पुराना वाकया याद हो आया। पुराने मंत्रालय की बात है। दोपहर का वक्त था...सिकरेट्री होम एएन उपध्याय के पास मैं बैठा था। तभी भृत्य एक विजिटिंग कार्ड लाकर उन्हें दिया। मुझे वहां बैठे करीब घंटा भर हो गया था, फिर किसी आगंतुक का कार्ड भी आ गया था, सो मैं उठने लगा। मगर उपध्यायजी ने मुझे बिठा लिया। बोले...बैठो अभी। दिल्ली की हथियार सप्लाई करने वाली कंपनी की महिला आई है...इन लोगों से मैं डरता हूं...आप थोड़ी देर और बैठ जाओ। उनका आग्रह था, मैं बैठ गया। उन्होंने घंटी बजाई और भृत्य से कहा, भेजो। दरवाजा खुला तो एक लंबी-चौड़ी कद काया की गौर वर्ण की बेहद आकर्षक युवती भीतर दाखिल हुई। नजाकत और नफासत के साथ वह अपनी कंपनी के गोला-बारूद, रायफल की बारे में बताती रही और उपध्याय जी आदतन हूं...हां करते रहे। उपध्याय जी तरफ से रिस्पांस काफी ठंडा था। इसलिए वह ज्यादा देर बैठ नहीं सकी। करीब 10 मिनट में ही थैंक्स बोलकर खड़ा हो गई। उसी दिन शाम करीब छह बजे पुलिस मुख्यालय के एक बहुते बड़े अफसर से मेरा अपाइंटमेंट था। मैं नियत समय पर उनके पास पहुंच गया। अभी उनके पास बैठे दो-से-तीन मिनट हुआ होगा कि हथियार सप्लाई कंपनी की वहीं युवती बेधड़क दरवाजा खोलकर दाखिल हुई। युवती को देखते ही अफसर के चेहरे पर चमक आ गई...उन्होंने बड़ा वार्म वेलकम किया। इतना वार्म कि मुझे दो-चार पल बैठना असहज लगने लगा। चूंकि चाय आ गई थी, सो जैसे-तैसे दो-चार चुस्की लेकर निकल गया। कहने का आशय यह है...पसंद अपनी-अपनी। लंगोट के पक्के लोग सुंदरियों को देखकर भी अपना धैर्य नहीं खोते और लंगोट के ढिले लोग जीभ लपलपाने लगते हैं।

सरकार नाराज?

भारत सरकार से सात वर्ष के डेपुटेशन से लौटे अमित कटारिया को अभी तक पोस्टिंग नहीं मिली है। अंदेशा व्यक्त किया जा रहा कि कहीं अमित की लंबी छुट्टी से सरकार खफा तो नहीं है। जाहिर है, भारत सरकार से रिलीव होने के बाद अमित दो महीने की छुट्टी पर चले गए थे। छुट्टी पूरी होने पर वे रायपुर आए और ज्वाइन करने के साथ ही दो महीने की छुट्टी ले ली। फिर छुट्टी खतम होने पर पिछले महीने रायपुर आए मगर ज्वाइनिंग के बाद फिर दिल्ली चले गए। इससे पहले की बीजेपी सरकार में अघोषित नियम बन गया था दिल्ली से लौटने वाले अफसरों को पोस्टिंग के लिए महीने भर तक वेट करना पड़ता था। अमिताभ जैन, अमित कुमार और गौरव द्विवेदी को भी इस परिस्थिति का सामना करना पड़ा। मगर ये तीनों रायपुर में डटे रहे। अमित और गौरव आफिसर्स क्लब में महीना भर तक पोस्टिंग की बाट जोहते रहे। बहरहाल, सरकार को समझना चाहिए दिल्ली की चकाचौंध में सात साल तक नौकरी करने के बाद रायपुर में रहना मुश्किल तो होगा ही।

संयोग ऐसा भी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जब केंद्र में इस्पात राज्य मंत्री थे तो विशाखापटनम के सांसद किंजरापू राममोहन नायडू उनसे मिलने आया करते थे। दरअसल, भारत सरकार का स्टील प्लांट विशाखापटनम में है और नायडू वहीं से पहली बार के सांसद थे तो किसी-न-किसी इश्यू को लेकर वे विष्णुदेव से मिलते रहते थे। नायडू अब केंद्र में एविऐशन मिनिस्टर बन गए हैं। वो भी स्वतंत्र प्रभार। इस बार संयोग ऐसा रहा कि छत्तीसगढ़ की एयर कनेक्टिविटी को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं उनसे मिलने पहुंचे। विष्णुदेव को देख नायडू को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सीएम उन्हें मुद्दे गिनाते गए और वे यस बोलते गए। टूटी-फूटी हिंदी में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए जो भी बन पड़ेगा...हम जरूर करेगा। चलिये, अच्छा है। छत्तीसगढ़ में एयरकनेक्टिविटी दुरूस्त होने की संभावनाएं अब काफी प्रबल हो गई हैं।

सीएम सिक्यूरिटी में चूक क्यों?

पिछले दो महीने में तीन से चार बार सीएम सिक्यूरिटी में चूक हुई है। पहली बार दुर्ग में काफिले की गाड़ियां आपस में टकरा गईं। फिर रायगढ़ में ट्रैफिक जाम हुआ। और अब कवर्धा में कुछ पल के अंतराल में दो घटनाएं। पहले में सीएम का काफिला जहां से गुजरना था, वहां एक लावारिस कार खड़ी थी और दूसरा...सीएम को ट्रैफिक जाम की वजह से पीछे लौटना पड़ा। कवर्धा में मुख्यमंत्री का जनवासय में जाने का कार्यक्रम अचानक बना। मगर वहां के पुलिस अधिकारियों को 10 मिनट टाईम लेकर रोड क्लियरेंस करा लेना था। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। इसमें पुलिस अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुई है। गृह विभाग को कम-से-कम अपने विभागीय मंत्री के जिले में ठीकठाक अफसर को पोस्ट करना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या ये सही है कि सरगुजा पुलिस रेंज के किसी एसपी की छुट्टी होने वाली है?
2. मंत्रियों के पीए और अघोषित सलाहकारों की धुंआधार बैटिंग को रोका क्यों नहीं जा रहा है?

जैकेट के शेष

32 लाख मीट्रिक ....

कारण उठाव पूरी तरह से प्रभावित रहा। मार्कफेड के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों के खरीदी केंद्रों में धान का उठाव कर संग्रहण केंद्रों में रखने की अनुमति दी जा रही है। कई जिलों के द्वारा परिवहन अनुबंध आदेश न होने के कारण उठाव प्रभावित हुआ है। अब तक मार्कफेड द्वारा संग्रहण केंद्रों के लिए धान के उठाव की अनुमति 15 जिलों के लिए दिया गया। इन जिलों से केवल 4 प्रतिशत धान का उठाव हुआ है।

रायपुर और बिलासपुर में मिलर्स को डीओ जारी : सरकार और छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के बीच एक समझौते के बाद रायपुर और बिलासपुर जिले में धान उठाव के लिए आदेश जारी किया गया है। इसमें बिलासपुर के लिए 3140 क्विंटल टन और रायपुर के लिए 240 क्विंटल का उठाव आदेश जारी किया है। शेष जिलों में अभी तक पंजीयन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण उठाव का आदेश जारी नहीं किया गया है।

फड़ में धान जाम, स्कूल में हो रही खरीदी : धमतरी में राइस मिलर्स की हड़ताल तो समाप्त हो गई है लेकिन इसका धान खरीदी पर बुरा प्रभाव पड़ा है। धान खरीदी शुरू हुए 21 दिन हो चुके हैं परंतु अब तक उठाव ढंग से शुरू नहीं हो पाया है। कमजोर उठाव के चलते खरीदी केंद्रों में धान जाम होने लगा है। तरसींवा खरीदी केंद्र की बफर लिमिट 12721 कट्टा की है। यहां पर 27795 कट्टा धान जाम हो गया है। क्षमता से दोगुने से ज्यादा धान जाम होने से यहां खरीदी व्यवस्था प्रभावित हो गई है।

केंद्रों में बंफर स्टॉक : प्रदेश के 2739 धान खरीदी केंद्रों में से 1687 खरीदी केंद्रों में धान का बफर स्टॉक है। इनमें महासमुंद जिले के 139 खरीदी केंद्रों में से 138 में बफर स्टॉक है। जिले में उठाव नहीं होने के कारण यहां पर धान रखने की जगह ही नहीं बची है। इसी प्रकार बालोद जिले के 142 खरीदी केंद्रों में से 135 खरीदी केंद्रों में बफर स्टॉक है। बलौदाबाजार के 166 खरीदी केंद्रों में से 129, बेमेतरा के 129 खरीदी केंद्रों में से 127, रायपुर जिले के 139 खरीदी केंद्रों में से 103, कवर्धा जिले के 108 खरीदी केंद्रों में से 100,धमतरी के 100 में से 97 खरीदी केंद्रों, दुर्ग जिले के 102 में से 93, राजनांदगांव के 96 में से 91, मुंगेली जिले के 105 में से 89, कांकेर के 149 में से 88 और धमतरी जिले के 90 में से 82 खरीदी केंद्रों में बफर स्टॉक के चलते यहां पर धान रखने की जगह नहीं बची है।

मार्कफेड के एमडी ...

केंद्रों के लिए डीओ जारी करने कहा गया है। एक सप्ताह में धान खरीदी केंद्रों से धान का उठाव कर लिया जाएगा, ऐसी उम्मीद है। रमेश शर्मा, एमडी मार्कफेड

सीएम से मुलाकात ....

एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, महामंत्री विजय तायल और प्रमोद जैन, कोषाध्यक्ष चंदन अग्रवाल, सचिव संजय गर्ग के साथ सभी पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात कराई। इसमें मुख्यमंत्री जी ने मिलर्स को दिए आश्वासन को अगले कैबिनेट में पूरा करने ठोस आश्वासन दिया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि मिलर्स तुरंत अनुबंध कर धान का उठाव करेंगे।

परिवहन ठप, केंद्रों ....

लिए उठाव किया गया है। इसी प्रकार बालोद में 7 और बेमेतरा में 5 प्रतिशत उठाव संग्रहण केंद्रों के लिए हुआ है।

परिवहन के अभाव ....

होने को लेकर कांग्रेस भी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है। केंद्रीय सहकारी बैंक के माध्यम से समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी की जा रही है। राजनांदगांव जिले की 96 धान उपार्जन केन्द्रों में धान रखने के लिए जगह नहीं होने के चलते खरीदी प्रभावित हो गई है। वहीं कुछ केन्द्रों में धान खरीदी बंद कर दी गई है। राजनांदगांव में अब तक 47057 किसानों से 3266908.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। जिसमें से 99938 क्विंटल धान का परिवहन हुआ है। जबकि केन्द्रों में 22669070 क्विंटल धान जाम है।

दुर्ग, बालोद और ....

है कि, तीन जिले में 374 उपार्जन केन्द्र हैं, जिसमें 339 केन्द्र में धान रखने जगह नही हैं। उठाव नही होने से धान को चूहे चट कर रहे हैं, वही सूखने से सोसायटी को नुकसान हो रहा हैं। उन्होने बताया कि, दुर्ग डीएमओ भौमिक बघेल ने राज्य शासन के निर्देश पर उठाव की बात कही हैं। इधर दुर्ग जिले में एक भी मिलरों ने एग्रीमेंट नही कराया हैं।

खुले आसमान में ....

बंद होने के कगार पर हैं। नगपुरा, अंडा, जामगांव, डीडीभांठा, निकुम केन्द्र में खुले आसमान के नीचे धान हैं, यहां भी कैंप कव्हर पर्याप्त नही पाया गया। शनिवार को सुबह बारिश के कारण धान भीगने से नमी आ गई हैं।

पेज एक के शेष

बोडोलैंड के पूर्व...

होता। उन्होंने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा, वे अपने आधा दर्जन साथियों के साथ बस्तर आ रहे हैं। वे बस्तर में कई कार्यक्रम करके बताएंगे कि सामूहिक आत्मसमर्पण करने से क्या फायदा होता है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीयमंत्री अमित शाह का 15 दिसंबर को बस्तर का दौरा है। इसके दो दिन पहले बस्तर में प्रदेश के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने के लिए एक अलग तरह का कार्यक्रम कराया जा रहा है। बस्तर भी कमोवेश उसी हालात से गुजर रहा है। सरकारी नीतियों के खिलाफ युवा हथियार उठाकर हिंसा के रास्ते पर हैं। एक साल में नक्सलियों के खिलाफ विष्णुदेव सरकार ने सफल अभियान चलाया है। लेकिन केंद्र और राज्य सरकार चाहती है कि हिंसा थमे और नक्सली हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौट आएं। बस्तर में शांति स्थापित हो जैसे असम में हुई थी। प्रदेश सरकार का मकसद दो साल में बस्तर से नक्सलवाद को समाप्त करना है, इसलिए कई तरह से प्रयास हो रहे हैं। डिप्टी सीएम विजय शर्मा का कहना है, हम नक्सलियों से किसी भी माध्यम से आज भी बात करने के लिए तैयार हैं। हमारी सरकार चाहती है कि नक्सली असम के उग्रवादियों की तरह ही हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटें। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बस्तर से दो साल में नक्सलवाद को समाप्त करने का ऐलान किया है। इसके बाद से लगातार नक्सलियों के खिलाफ प्रदेश सरकार का अभियान चल रहा है। जहां एक तरफ लगातार मुठभेड़ में नक्सली मारे जा रहे हैं, वहीं नक्सली थोक में लगातार आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं।

गोबिंदा साथियों के साथ...

बने हैं। प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा की उनसे असम के दौरे में मुलाकात हुई थी। अब वे बस्तर ओलंपिक में श्री शर्मा के बुलाने पर बस्तर में कई स्थानों पर आत्मसमर्पण करने से क्या फायदा होता है, यह बताने के लिए अपने पांच और साथियों बिनुवल वारी, अजॉय कुमार भोबारा, दिलरंजन नरजारी, साहेन वारी और मार्क डाईमारी शामिल के साथ 13 दिसंबर को बस्तर आ रहे हैं।

नक्सली हथियार छोड़...

छोड़कर मुख्यधारा में लौटते हैं तो इससे अच्छी कोई बात नहीं होगी, लेकिन वे ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होते हैं तो भी नक्सलवाद को दो साल में समाप्त करने का हमारा पूरा संकल्प है।

महादेव सट्टा एप...

संपत्तियां कई सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइट के प्रमोटरों, पैनल ऑपरेटरों और सहयोगियों की हैं।

हरिभूमि की खबर का...

कमरे में दोनों तरफ बिस्तर, बच्चों के सामान रखा गया था, बीच में टॉयलेट थी। वहीं जहां बालिकाएं नहाती थीं वहां सीसीटीवी लगा दिया गया। यह तस्वीरें हरिभूमि में प्रकाशित होने के बाद हंगामा मच गया। रायपुर से बस्तर तक प्रतिक्रिया देखने के मिली। प्रशासन ने आनन-फानन में हॉस्टल शिफ्ट करने का निर्णय लिया और 31 की ड्यूटी लगा दी। इधर, एकलव्य आदर्श विद्यालय पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। बरसते पानी में कांग्रेसियों के द्वारा हल्ला बोलने के बाद जिला प्रशासन ने हॉस्टल के अन्दर जाने दिया। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश में कांग्रेसियों का एक प्रतिनिधिमंडल बच्चियों से मिलने के लिए एकलव्य आदर्श विद्यालय पहुंचा था जहां जिला प्रशासन के द्वारा हॉस्टल के प्रवेश द्वार में तालेबंदी कर कांग्रेसियों के प्रतिनिधि मंडल को अंदर जाने से रोका गया। करीब 2 घंटे तक विरोध प्रदर्शन का दौर चलता रहा। इसके बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मोहन मरकाम,बालोद विधायक संगीता सिंहा,सिहावा की विधायक अंबिका मरकाम, भानुप्रतापुर विधायक सावित्री मंडावी,पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष संत नेताम,पूर्व क्षेत्रिय विधायक चन्दन कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामबत्ती नेताम समेत कांग्रेस पदाधिकारी छोटेडोंगर में विद्यालय के सामने धरने पर बैठकर सरकार के खिलाफ़ नारेबाजी करते रहे। जिसके दो घंटे बाद जिला प्रशासन के द्वारा महिलाओ के एक प्रतिनिधि मंडल को अंदर जाने की इजाजत दी गई।

सार 'अ' नाथ...

गंगा स्नान करते हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं कें लिए कुंभ मेले में भंडारे और रहने की भी व्यवस्था प्रयागराज में की जाती है। छत्तीसगढ़ प्रदेश से प्रयागराज तक जाने वाली एकमात्र ट्रेन दुर्ग से रायपुर, भाटापारा, दाधापारा से डायवर्ट कर उसलापुर होकर जाने वाली दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस है, जिसमें कुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती है। इसके कारण पूरे एक माह तक चलने वाले कुंभ मेले में कई यात्रियों को कन्फर्म टिकिट मिलनी मुश्किल हो जाती है। सारनाथ एक्सप्रेस के अलावा दुर्ग-नौतनवा, गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस मानिकपुर से कट जाती है, जिसके कारण लाखों की संख्या में यात्री प्रयागराज तक जाने के लिए केवल सारनाथ में ही सफर करते हैं। इस वर्ष रेल प्रशासन ने कुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी निराश कर दिया है। रेलवे बोर्ड के आदेश पर 20 दिन पहले एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है, जिसमें उत्तर भारत में ठंड और कोहरे को देखते हुए आने-जाने वाली करीब 77 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश से एकमात्र ट्रेन सारनाथ को लिस्ट में शामिल किया गया है, जिसमें कुंभ के अलावा लोग पिंडदान और अस्थि विसर्जन करने के लिए प्रयागराज, बनारस और गया तक सफर करते हैं। इसकी वजह से साल के 365 दिन सारनाथ एक्सप्रेस के एसी कोच से लेकर स्लीपर कोच में वेटिंग की स्थिति बनी रहती है। कोहरे के कारण सारनाथ को 76 दिन तक बंद करने की वजह से सबसे अधिक परेशानी कुंभ मेले में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली है, जिनकी समस्याओं को देखने के बाद भी रेलवे ने सारनाथ को रिस्टोर करने का निर्णय अब तक नहीं लिया है।

सभी जिले से जाते हैं लोग : छत्तीसगढ़ प्रदेश में एकमात्र सारनाथ एक्सप्रेस ऐसी ट्रेन है, जिसकी सुविधा यात्रियों को नैनी, प्रयागराज, बनारस और गया तक मिल जाती है। यह ट्रेन प्रदेश के दुर्ग से रवाना होकर भिलाई, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा स्टेशन में रूकती है। इन स्टेशनों में ट्रेनों का स्टॉपेज होने के बावजूद प्रदेश के सभी जिले बिलासपुर, मुंगेली, बेमेतरा, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा सहित अन्य जिले से बड़ी संख्या में यात्री सारनाथ एक्सप्रेस में सफर करने के लिए पहुंचते हैं।

संयुक्त पूर्वांचल समाज ने किया विरोध : पूर्वांचल के लोगों में सक्रिय तीनों समाज पाटलीपुत्र सांस्कृतिक विकास मंच के सचिव सुधीर झा, भोजपुरी समाज के सचिव बीएन ओझा, सहजानंद सरस्वती समाज के सचिव राजीव कुमार ने कहा कि रेल प्रशासन का देश के प्रयागराज में 13 जनवरी से होने वाले महाकुंभ आयोजन के समय सारनाथ रद्द करने का निर्णय अव्यवहारिक है। सारनाथ प्रयागराज की एकमात्र सीधी रेल सेवा है। इस विषय को लेकर समाजों के प्रतिनिधि मंडल रेल मंत्री के नाम डीआरएम को ज्ञापन सौंपकर सांसद व केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, स्थानीय निर्वाचित विधायकों से मुलाकात कर सारनाथ को पुनः नियमित रूप से प्रारंभ करने का आग्रह करेंगे।

मालगाड़ियों पर कोहरे...

दिनों में रद्द कर दिया है। सारनाथ को रद्द करने की वजह कोहरा बताया जा रहा है, क्योंकि कोहरे में इंजन के चालक, परिचालक को रेल लाइन दिखाई नहीं देती है। इसके कारण दुर्घटना होने का खतरा लगा रहता है। वहीं बिलासपुर डिवीजन से प्रतिदिन 30 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है, जिस पर कोहरे का कोई असर नहीं हो रहा है।

बनौरी एक्सप्रेस उसी ...

पहुंचती है। इस दौरान काफी घना कोहरा होता है इस वजह से परिचालन में दिक्कत होती है। जबकि दूसरी ट्रेन रात 12:45 को रायपुर से छूटती है और सुबह अपने निर्धारित समय 11:30 को पहुंच जाती है। दोनों ही रात की ट्रेन है, लेकिन कोहरे का ग्रहण केवल सारनाथ पर ही है। एक जैसा रूट होने के बाद केवल सारनाथ को रद्द करने के पीछे का कारण यात्रियों को समझ नहीं आ रहा है।

रेल मंत्री तक पहुंचने लगी जनता की समस्या : पिछले साल की तरह इस बार भी दिसंबर आने के 2 महीने पहले ही रेलवे ने कोहरा होने की भविष्यवाणी कर फिर से सारनाथ एक्सप्रेस की सेवा को अपना निशाना बनाया है। कड़ाके की ठंड कोहरे की भविष्यवाणी कर अप डाउन सारनाथ एक्सप्रेस को 02 दिसंबर 24 से 27 फरवरी 25 तक अलग अलग दिनों के लिए रद्द कर दिया गया है। इस ट्रेन से रोजाना बड़ी संख्या में यात्री प्रयागराज बनारस जाते हैं। शिकायत कर्ता संस्कार श्रीवास्तव ने बताया कि रेलवे 2 साल से यह परंपरा निभा रही है। रायगढ़ खरसिया चांपा कोरबा के लोग बिलासपुर से इस ट्रेन को पकडते हैं क्योंकि इन नगरों से इलाहाबाद बनारस के लिए सीधी ट्रेन नहीं है।

गुम सूचना

अमृतलाल देवांगन

थाना :- टिकरापारा
गुम इंसान क्रमांक :- 166/24
गुमने का दिनांक :-14/09/2024 को दोपहर
गुम दिनांक सूचना :-15/10/2024
गुमने का स्थान :- मठपुरैना
मानसिक स्थिति :- ठीक नही है
नाम :- श्री अमृत लाल देवांगन आ. स्व. श्री झुमुक लाल देवांगन
उम्र-67 वर्ष निवासी – मठपुरैना, शीतला मंदिर के पास पोस्ट- टिकरापारा रायपुर
गुम इंसान का हुलिया :- कद 5 फुट 6 इंच, रंग-सांवला, पहनावा :-भाटा कलर का शर्ट एवं हल्का हरा रंग का पैंट
पता बताने वाले को उचित ईनाम दिया जावेगा।
संपर्क :- मो. न. 6268839304, 9009265258

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं.30247281, दिनांक: 03.12.2024
कार्य का नाम : E-70 कोच ब्रेकिंग सिस्टम के उपकरणों की आपूर्ति, संस्थापन, शुरुआत एवं परीक्षण जिसमें पैनल फ्रेम के बाहर इन्डविजूअल वाल्व (Individual Valve) परिक्षण के लिए टेस्ट रिग (Test Rig), पैनल फ्रेम के मैनिफोल्ड असेम्बली, पैनल फ्रेम पर माउन्टेड (Mounted) इन्डविजूअल वाल्व, इलेक्ट्रोनिक कार्ड टेस्ट किट (Test Kit) इत्यादि शामिल है। वारंटी अवधि : डिलिवरी की तिथि के बाद से 30 महीने तक। TPI द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 1 सेट।

(2) निविदा सं.30247341, दिनांक: 03.12.2024
कार्य का नाम : 3 फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इत्यादि के लिए LED बेसड ट्विन बीम (Twin Beam) हेड लाइट की आपूर्ति एवं रेट्रो फिटमेन्ट (Retro Fitment)। वारंटी अवधि : डिलिवरी की तिथि के बाद से 30 महीने। TPI द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 320 सेट।

द्रष्टव्य : सामग्री 180 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए (दोनों क्रम सं. हेतु)।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.01.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-782/P/24-25

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

शब्द पहेली - 5709

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10					11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 5708 का हल

■	व	र	दा	न	■	अ	प	मा	न	■
स	■	■	य	■	म	■	ह	■	■	ह
र	■	श	रा	र	त	क	र	ना	■	व
क	ल	ह	■	■	वा	■	■	का	न	न
ना	■	र	■	अ	ला	व	■	रा	ख	■
■	दा	■	का	म	■	च	प्पू	■	रा	■
■	व	जु	■	न	म	न	■	पा	■	मु
क	त	रा	■	■	हा	■	■	ल	ल	क
ल	■	ब	लि	दा	न	क	र	ना	■	र
म	■	■	ख	■	ता	■	ई	■	■	ना
■	ना	ना	ना	नी	■	फि	स	ल	ना	■

सूडोकु नवताल 5721

✱✱✱✱✱ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGA_SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5720 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

खबर संक्षेप

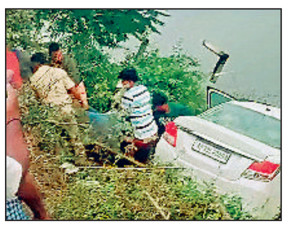

तेज रफ्तार कार झील में गिरी, पांच दोस्तों की मौत

भुवनागिरी। तेलंगाना के यदाद्री-भुवनागिरी जिले में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब हैदराबाद के रहने वाले छह दोस्त एक कार में यात्रा कर रहे थे। सभी की उम्र 20 से 25 साल के बीच थी। एक युवक खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकलने में सफल रहा। पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार में सवार सभी युवक हैदराबाद से यदाद्री-भुवनागिरी जिले की ओर जा रहे थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। बचाव दल ने झील में डूबी कार को बाहर निकाला जिससे पांच शव बरामद हुए। मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को हादसे की सूचना दी गई।

पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष ने कहा, पार्टी कभी सांप्रदायिक विचारधारा के साथ नहीं रह सकती

बाबरी विध्वंस पर पोस्ट से मचा हड़कंप, सपा ने छोड़ा एमवीए, कहा- भाजपा-शिवसेना में फर्क नहीं

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक करीबी सहयोगी विधान पार्षद मिलिंद नार्वेकर द्वारा बाबरी मस्जिद ढहाये जाने और संबंधित अखबार के विज्ञापन की सराहना किये जाने के बाद समाजवादी पार्टी ने शनिवार को विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन से बाहर निकलने की घोषणा की।

कांग्रेस ने सपा के एमवीए गठबंधन से अलग हो जाने पर कहा कि उनके जाने से गठबंधन में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। आजमी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "हम एमवीए छोड़ रहे हैं। मैं पार्टी अध्यक्ष अखिलेश सिंह यादव से बात कर रहा हूं।

सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबू आजमी ने कहा, "शिवसेना (उद्धव) द्वारा बाबरी मस्जिद को ढहाये जाने के लिए लोगों को बधाई देते हुए एक अखबार में विज्ञापन दिया गया था। उनके (उद्धव ठाकरे के) सहयोगी ने भी मस्जिद को ढहाये जाने की सराहना करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया है। महाराष्ट्र विधानसभा में समाजवादी पार्टी के दो विधायक हैं।

कैबिनेट गठन के दौरान भी दिखा मतभेद

महा विकास अघाड़ी में समाजवादी पार्टी के दो विधायक हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भी एसपी विधायकों का बागी तेवर साफ नजर आया। एसपी विधायक आजमी और रईस शेख ने आज शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया, जबकि एमवीए ने इसे बहिष्कार करने का फैसला किया था।

सपा ने कहा- ऐसे बयान हमें मंजूर नहीं : समाजवादी पार्टी ने कहा कि इस तरीके का बयान हमें नामंजूर है। पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने कहा, समाजवादी पार्टी कभी सांप्रदायिक विचारधारा के साथ नहीं रह सकती। इसलिए, हम एमपीए से अलग हो रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के सिद्धांतों के खिलाफ जा रही है।

जानें पूरे विवाद का कारण क्या है

दरअसल, बाबरी विध्वंस की बरसी पर विधान पार्षद मिलिंद नार्वेकर ने मस्जिद ढहाये जाने की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ ही शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का कथन लिखा, "मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने यह किया। शिवसेना सचिव ने पोस्ट में उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और खुद की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। आजमी ने कहा, "अगर एमवीए में कोई भी ऐसी भाषा बोलता है, तो भाजपा और उनके बीच क्या अंतर है? हमें उनके साथ क्यों रहना चाहिए?"

गठबंधन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा: कांग्रेस

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अबू आजमी और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन छोड़ेंगे. हम उनसे बात करेंगे और उनकी भावनाओं को समझेंगे। इसका देशभर में इंडिया गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हम अखिलेश जी से भी बात करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि शिवसेना की यह सोच पिछले 20 सालों से है। इसमें कुछ नया नहीं है।

गठबंधन को चोट पहुंची : रईस शेख

समाजवादी पार्टी के नेता रईस शेख ने कहा, एमवीए का गठन संविधान और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए हुआ था लेकिन शिवसेना (यूबीटी) के इस बयान से गठबंधन की मूल भावना पर चोट पहुंची है। उद्धव ठाकरे को स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसा बयान क्यों दिया गया। महाराष्ट्र के महाविकास अघाड़ी में चुनाव परिणाम के बाद पहली बार दरार सामने आई है।

मिसाल कायम : बच्ची से रेप के दोषी को 62 दिन में मिली मौत की सजा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की एक विशेष अदालत ने 10 वर्षीय बच्ची के साथ रेप और हत्या के मामले में कड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने 19 वर्षीय दोषी को मौत की सजा सुनाई। इसमें सबसे बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने त्वरित सुनवाई करते हुए यह फैसला अपराध के 62 दिन बाद ही सुना दिया। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि पीड़िता के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस फैसले की सराहना करते हुए इसे राज्य के इतिहास में अभूतपूर्व बताया है।

अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुब्रत चट्टोपाध्याय की पाक्सो अदालत ने दोषी - मुस्तकिन सरदार को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं सहित पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी पाया और 62 दिन के भीतर ही निर्णय सुना दिया। इस केस को लड़ने वाले विशेष सरकारी वकील बिवास चटर्जी ने कहा कि यह फैसला देश के आपराधिक न्यायशास्त्र के इतिहास में एक मिसाल कायम कर सकता है, क्योंकि जांच और सुनवाई बहुत तेजी से की गई।

कोलकाता की अदालत का फैसला

क्या है पूरा मामला

पश्चिम बंगाल के 24 परगना इलाके में बच्ची 4 अक्टूबर को ट्यूशन क्लास से घर लौटते समय वह लापता हो गई थी। उसका शव 5 अक्टूबर को एक तालाब में मिला था। आरोपी को उसी दिन कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। इस केस में पुलिस ने 30 अक्टूबर 2024 को आरोपपत्र दाखिल किया और 5 नवंबर से शुरू हुआ मुकदमा महज 21 दिनों में पूरा हो गया।

ममता ने गठबंधन की लीडरशिप पर ठोका दावा, सपा का समर्थन, कांग्रेस असहमत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए विपक्ष की ओर से बनाई गई इंडिया गठबंधन में अब दरार आने लगी है। तृणमूल कांग्रेस नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गठबंधन की लीडरशिप पर अपना दावा ठोका है। जिसके बाद सपा ने भी ममता के दावे का समर्थन किया है। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल ने लालू यादव को इस गठबंधन का निर्माता बताया है। हाल ही में ममता बनर्जी ने कहा कि वह इंडिया गठबंधन की कमान संभलाने के लिए तैयार हैं। जिसके बाद गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस ने इस बात पर असहमति जताई।

गौरतलब है कि संसद के शीतकालीन सत्र में भी इंडिया गठबंधन में मतभेद सामने आए। गौतम अडानी रिश्वत मामले में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों से तृणमूल और समाजवादी पार्टी ने दूरी बनाए रखी। सपा और ममता बनर्जी के बयान से साफ हो गया है कि अगर समस्या का हल नहीं निकाला गया तो सभी दलों को इंडिया गठबंधन में एक साथ रहना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। अब तक इंडिया गठबंधन ने ईवीएम से छेड़छाड़ को लेकर मिलकर आवाज उठाई है लेकिन अब लीडरशिप को लेकर उठी आवाज से इंडिया गठबंधन के कमजोर होने के संकेत मिल रहे हैं। लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ने एनडीए को 293 सीटों पर समेट दिया था, लेकिन विधानसभा चुनावों में हरियाणा और महाराष्ट्र में गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा।

सपा ने कहा- ममता के सुझाव पर हो चर्चा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी के सुझाव पर गठबंधन को चर्चा करनी चाहिए. उन्होंने तृणमूल प्रमुख के लिए सौ फीसदी समर्थन और सहयोग की बात कही. प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा, अगर ममता बनर्जी ने इच्छा जताई है तो इंडिया गठबंधन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। यह गठबंधन को मजबूत करेगा। उन्होंने बंगाल में बीजेपी को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई। हमारा उनके प्रति भावनात्मक जुड़ाव है।

सभी दलों ने कांग्रेस के सिर फोड़ा ठीकरा

प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए कहा, जहां भी सरकार नहीं बन पाई, वहां कांग्रेस मुख्य पार्टी थी। अगर अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो इसकी जिम्मेदारी भी कांग्रेस पर है। सीपीआई के महासचिव डी राजा ने भी कहा, कांग्रेस को आत्ममंथन करने की जरूरत है। उसने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में सहयोगी दलों को शामिल नहीं किया। अगर ऐसा किया होता, तो नतीजे अलग हो सकते थे।

ममता के सुझाव को कांग्रेस ने किया खारिज

कांग्रेस ने ममता बनर्जी को गठबंधन का नेतृत्व देने के सुझाव को खारिज कर दिया। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा, ममता बनर्जी ऐसा सोचती हैं, लेकिन हम नहीं। उनकी पार्टी उनके अनुसार चलती है, लेकिन हमारी पार्टी कांग्रेस के विचारों से चलती है।

लालू यादव हैं इंडिया गठबंधन के सूत्रधार

वहीं, राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन की पहली बैठक पटना में लालू प्रसाद यादव की पहल पर हुई थी. उन्होंने कहा, बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के असली सूत्रधार लालू प्रसाद यादव हैं। ममता बनर्जी बंगाल में बीजेपी के खिलाफ मजबूती से लड़ रही हैं। अब 2025 में बिहार की बारी है।

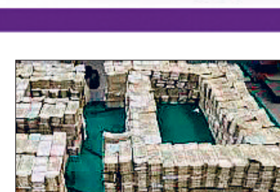

मालेगांव घोटाले में 13 करोड़ कैश जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मालेगांव में बैंक खातों के दुरुपयोग से जुड़े बड़े घोटाले की जांच के तहत अहमदाबाद और मुंबई के सात ठिकानों पर छापेमारी की। जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई में ईडी ने 13 करोड़ 50 लाख रुपये नकद जब्त किए। बता दें कि यह घोटाला नासिक मर्चेंट को-ऑपरेटिव बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के फर्जी खातों से जुड़ा हुआ है जिसमें बड़ी मात्रा में धन का हेरफेर किया गया था।

ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि नासिक मर्चेंट को-ऑपरेटिव बैंक में 14 नए खाते खोले गए जिनमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जमा की गई। इसी तरह बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नासिक शाखा में भी पांच ऐसे ही फर्जी खाते पाए गए. इन खातों का इस्तेमाल कर बड़ी रकम की हेराफेरी और धोखाधड़ी की गई।

निर्दोष व्यक्तियों के डॉक्यूमेंट्स का किया दुरुपयोग : जांच में सिराज अहमद मोहम्मद हारुन मेमन और उनके सहयोगियों पर आरोप है कि उन्होंने निर्दोष व्यक्तियों के पहचान दस्तावेजों का दुरुपयोग कर ये फर्जी खाते खोले।

महाराष्ट्र में विपक्ष ने नहीं ली शपथ, कहा यह जनादेश नहीं, पवार बोले- कोर्ट जाएं

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। इस बीच, शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे सहित विपक्षी दल के सभी सदस्यों ने सत्र का बहिष्कार किया। आदित्य ठाकरे ने कहा, हमने आज शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया क्योंकि ईवीएम के इस्तेमाल से लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। चुनाव के नतीजे जनता का जनादेश नहीं हैं बल्कि ईवीएम व चुनाव आयोग का जनादेश है। वहीं डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि विपक्ष को अगर कोई शक है तो वह चुनाव आयोग या फिर कोर्ट जाए।

बता दें कि यह विरोध उस समय हो रहा है जब महाराष्ट्र विधानसभा का नवगठित 288 सदस्यीय विशेष सत्र चल रहा है। इस तीन दिवसीय सत्र में विधायकों को शपथ दिलाने, विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करने, नई सरकार का विश्वास प्रस्ताव पेश करने और राज्यपाल के संबोधन का कार्यक्रम तय किया गया है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी के अगुआई वाले महायुति गठबंधन ने कुल 288 में से 230 सीटों पर जीत हासिल की।

कांग्रेस नेता बोले- रिपोलिंग में क्या समस्या

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार- जब भी हम ईवीएम, वीवीपीएट की जांच के बारे में बात करते हैं तो चुनाव आयोग हमेशा मॉकपोल की बात करता है। वे हमें 100% जांच करने की अनुमति नहीं देते हैं। चुनाव पारदर्शी तरीके से हुए, अगर ईवीएम में कोई समस्या नहीं है तो मारकडवाडी गांव में री-पोलिंग कराने में क्या समस्या है। पूरा गांव इसकी मांग कर रहा है, हम मार्कडवाडी गांव के लोगों के साथ हैं।

महाराष्ट्र : सीएम और डिप्टी सीएम ने संभाला पदभार

महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र

विपक्ष के वॉकआउट पर नेताओं के बयान...

एनसीपी शदर पवार नेता जितेंद्र आव्हाड- हम विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए और हमने शपथ नहीं ली। इसका कारण ये था कि मारकडवाडी के लोग विधानसभा चुनाव के लिए बैलेट पेपर से मतदान चाहते थे और प्रशासन ने यह मांग नहीं मानी। लोगों को ये तय करने का अधिकार है कि वे कैसे मतदान करना चाहते हैं। क्या अपनी राजनीतिक जागरूकता दिखाना गलत है।

ईवीएम पर सवाल और लोकतंत्र की लड़ाई

महाविकास अघाड़ी के विधायकों का यह कदम विधानसभा चुनाव में ईवीएम की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों को लेकर है। उनका कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह विरोध जरूरी है। शिवसेना नेता संजय राउत पहले ही ईवीएम में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगा चुके हैं।

जनादेश जनता का या चुनाव आयोग का : आदित्य

आदित्य ठाकरे ने आगे कहा, 'आज इस शपथग्रहण समारोह में कोई उत्साह नहीं है। पता नहीं यह जनादेश जनता का है या चुनाव आयोग का। सोलापूर के मारकडवाडी में जनता बैलेट पेपर पर वोटिंग करना चाहती थी लेकिन प्रशासन ने मतदान की इजाजत नहीं दी। अब प्रशासन वहां लोगों को गिरफ्तार कर रही है। अबतक 20 लोगों को गिफ्तार किया गया है। इसी के विरोध में आज महाविकास अघाड़ी के विधायक शपथ नहीं लेंगे।

अजित और शिंदे नेता ने दिया जवाब

इस पर अजित पवार ने उन्हें जवाब दिया, 'यह ईवीएम और भारत के चुनाव आयोग का आदेश है। यहां इस तरह के आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। उन्हें (विपक्ष को) चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए और अगर वहां उन्हें न्याय नहीं मिलता है तो उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने कहा, 'वे (महा विकास अघाड़ी) बहुत बचकानी बातें कर रहे हैं। जिस तरह से चुनाव हुआ है, वह लोकतांत्रिक तरीके से हुआ है।

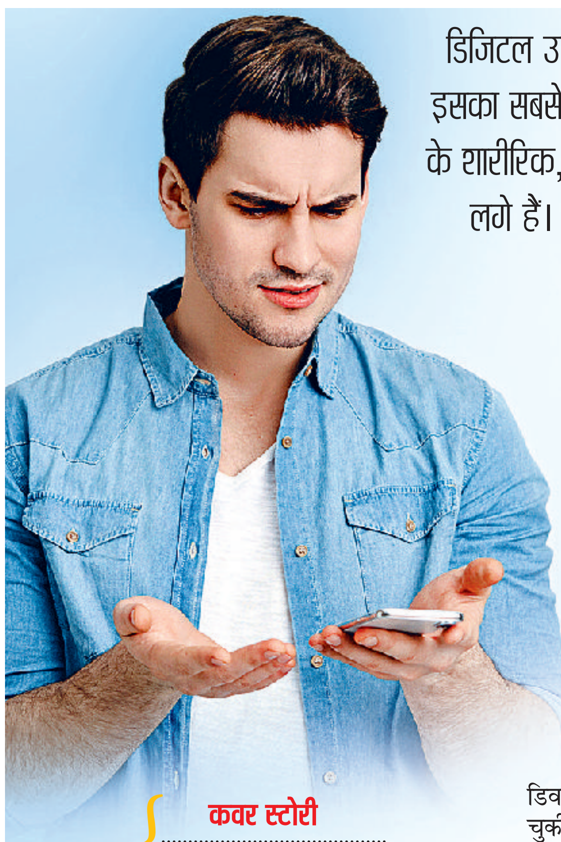

डिजिटल उपकरणों के बेतहाशा इस्तेमाल से पैदा हुई एक नई तरह की समस्या है, डिजिटल एलर्जी। इसका सबसे बड़ा कारण इंटरनेट और इससे निर्मित वर्चुअल दुनिया है। पूरी दुनिया में डिजिटल एलर्जी के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्तर पर खतरनाक लक्षण लोगों, खासकर युवाओं, में दिखने लगे हैं। इसके दुष्प्रभावों और इससे बचने के उपायों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

युवाओं पर शिकंजा कसती डिजिटल एलर्जी

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

डिजिटल एलर्जी एक बिल्कुल नई और लाइफस्टाइल संबंधी समस्या है, जो इन दिनों ना सिर्फ विकसित पश्चिमी देशों में बल्कि भारत जैसे विकासशील देशों में भी बहुत तेजी से युवाओं पर अपना शिकंजा कस रही है। यह एलर्जी दरअसल, अत्यधिक डिजिटल डिवाइसेस के इस्तेमाल और दिन दूनी-रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ते स्क्रीन टाइम के कारण हो रही है।

फिजिकल हेल्थ पर प्रभाव

इन दिनों युवाओं में जबर्दस्त डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या देखी जा रही है, जिसमें आंखों में जलन, धुंधला दिखना और सूखापन महसूस होता है। लगातार घंटों मोबाइल और लैपटॉप में नजरें गड़ाए रहने के कारण सिरदर्द अब युवाओं का स्थायी मर्ज बन गया है। इस डिजिटल एलर्जी को भयानक रूप से युवाओं में घटती नींद के पैटर्न से देखा जा सकता है। दरअसल, लगातार मोबाइल और लैपटॉप में रहने के कारण उनमें ब्लू लाइट का खतरनाक प्रभाव इतना ज्यादा हो चला है कि उनकी नींद का पैटर्न ही बदल गया है। आमतौर पर महानगरों में इन दिनों युवा रात में ढाई से तीन बजे सोने जाते हैं और सुबह 8 से 8.30 बजे बार-बार उठाने पर मुश्किल से उठते हैं और दिन भर उनींदे से रहते हैं। युवाओं में इन दिनों पसलियों और गर्दन का दर्द आम समस्या हो गई है। लंबे समय तक झुककर डिजिटल उपकरणों का यूज करने के कारण यह समस्या पैदा होती है। इसी तरह लगातार अंगूठों का मोबाइल के की-बोर्ड में टाइपिंग के लिए इस्तेमाल करने से उनके हाथों में दर्द रहने लगा है और रह-रहकर ये सुन्न होने लगे हैं।

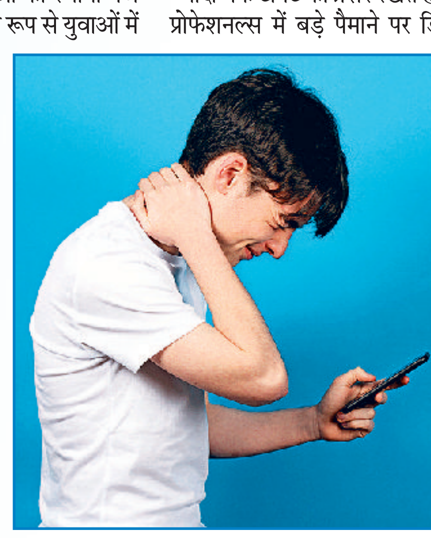

मेंटल हेल्थ पर प्रभाव

डिजिटल एलर्जी के लक्षण सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं दिख रहे बल्कि युवाओं में इसके मानसिक लक्षण भी दिखने लगे हैं, जैसे उनमें एक-दो दशक पहले के युवाओं के मुकाबले इन दिनों कहीं ज्यादा तनाव और चिड़चिड़ापन देखा जा सकता है। युवाओं में लगातार फोकस की कमी हो रही है। उनमें लगातार डिप्रेशन और एंजाइटी की समस्या बनी रहने लगी है। वास्तव में यह सोशल मीडिया में अधिक सक्रियता से मौजूद नकारात्मकता के कारण है। यही नहीं आजकल युवाओं में जबर्दस्त सोशल आइसोलेशन देखा जा रहा है। दिन में ज्यादातर समय डिजिटल दुनिया में उलझे रहने के कारण युवाओं में वास्तव में वास्तविक सामाजिक संपर्क की कमी हो चुकी है। उनके पास पारंपरिक घरेलू रिश्तों और रिश्तेदारों के लिए समय बिल्कुल भी नहीं बचता है। डिजिटल एलर्जी के कारण युवाओं का समय प्रबंधन बुरी तरह से प्रभावित होता है। इससे भी उनमें जबर्दस्त तनाव, गुस्सा, खीझ, अवसाद के साथ चिड़चिड़ापन भी पैदा होता है।

वर्क फ्रॉम होम से बढ़ा प्रेशर

डिजिटल एलर्जी, आज एक नई लाइफस्टाइल डिजीज बन गई है। इसके कारण युवाओं की डिजिटल डिवाइसेस पर निर्भरता बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। आज युवा पीढ़ी अपना तीन चौथाई काम, डिजिटल डिवाइसेस के जरिए ही कर रही है। चाहे पढ़ाई हो, चाहे दफ्तर का काम हो, चाहे मनोरंजन करना हो या फिर अपने सामाजिक संपर्कों के लिए लोगों से जुड़े रहना हो। सब कुछ डिजिटल उपकरणों के जरिए ही हो रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद कंडीशन और बिगड़ गई। इस कारण भी युवाओं के स्क्रीन टाइम में भारी बढ़ोत्तरी हुई। वर्क फ्रॉम होम के कारण तो वर्किंग प्रोफेशनल्स का स्क्रीन टाइम बहुत बढ़ गया। दरअसल, वर्क फ्रॉम होम में ऑफिस जाने में जो छूट मिली, उससे एंप्लॉई को थोड़ा रिलैक्स तो फील होता है। लेकिन कई एंप्लॉयर को मनोवैज्ञानिक रूप से यह लगता है कि वर्क फ्रॉम होम कर रहे कर्मचारी कम काम करते हैं। इस कारण एंप्लॉयर वर्क फ्रॉम होम करने वाले कर्मचारियों पर ज्यादा से ज्यादा वर्क टार्गेट का प्रेशर रखते हैं। इसके कारण भी युवा वर्किंग प्रोफेशनल्स में बड़े पैमाने पर डिजिटल एलर्जी का शिकंजा कसता जा रहा है। उनमें मानसिक बीमारियों का खतरा गहरा रहा है। शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है, संबंधों और सामाजिक जीवन में बाधा पड़ रही है और उनके कामों में प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी की भी कमी आ रही है।

एलर्जी से बचने के कारगर उपाय

पूरी दुनिया में लोगों को डिजिटल एलर्जी से सावधान रहने के लिए मनोवैज्ञानिक आगाह कर रहे हैं और इसके लिए कुछ सरल उपाय भी बता रहे हैं। जैसे-हर दिन कुछ घंटों के लिए डिजिटल डिटॉक्स किया जाए यानी डिजिटल उपकरणों से दूर रहें। सप्ताह में एक दिन तो पूरी तरह से डिजिटल उपकरणों के बिना बिताएं।

खुद पर कंट्रोल करके अपने काम और मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित करना पड़ेगा। साथ ही स्क्रीन में काम करते समय हर 20 मिनट पर कम से कम एक से दो मिनट के लिए स्क्रीन से आंखें हटाकर किसी दूसरी जगह लगाना चाहिए।

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लगातार स्क्रीन पर देखते रहने के कारण जब हम अचानक 20 फीट या इससे दूर देखते हैं तो आंखें चौंधिया जाती हैं और उनमें तनाव महसूस होने लगता है। इसलिए हर 15-20 मिनट बाद स्क्रीन से नजरें हटाकर हमें कम से कम एक मिनट के लिए दूर देखना चाहिए। जब भी स्क्रीन के साथ समय बिताएं, आंखों पर एंटी ग्लेयर चश्मे का इस्तेमाल करें और सोने से कम से कम एक घंटे पहले स्क्रीन से अपने आपको दूर कर लें। डिजिटल एलर्जी से बचने का एक तरीका यह भी है कि नियमित व्यायाम और योगा करें। जिस समय व्यायाम और योगा करें, उस समय फोन और संपर्क के दूसरे सभी उपकरणों को बंद कर दें। हर दिन घर से कम से कम एक किलोमीटर दूर तक बाहर निकलें, कुछ काम ना हो तो यूं ही घूमकर लौट आएं, इस दौरान फोन का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें। स्मार्ट फोन की लत को कम करें। एक दो को छोड़कर सभी एप्स की नोटिफिकेशन बंद रखें। अपने स्मार्ट फोन पर रील्स देखने और सोशल मीडिया पर समय बिताने का समय तय करें। अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और दोस्तों, परिवार के साथ समय बिताएं। *

दुनिया भर में बढ़ रहे डिजिटल डिटॉक्स सेंटर्स

हालांकि भारत में डिजिटल एलर्जी की स्थिति अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन इसके लक्षण तेजी से उभर रहे हैं। खासकर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे महानगरों में। भारत में 80 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन इस्तेमाल हो रहे हैं। बड़े पैमाने पर बच्चे और किशोर भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल गेमिंग और सोशल मीडिया के लिए कर रहे हैं। लेकिन दुनिया के कुछ देशों में डिजिटल एलर्जी एक महामारी की तरह फैल रही है। इनमें पहले नंबर पर दक्षिण कोरिया, दूसरे नंबर पर अमेरिका और तीसरे नंबर पर चीन है। दक्षिण कोरिया में डिजिटल एलर्जी गंभीर समस्या बन गई है। दक्षिण कोरिया के सिर्फ बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे शहरों में भी इस डिजिटल एलर्जी से छुटकारा पाने के लिए डिटॉक्स कैंप और रिहैबिलिटेशन सेंटर खोले गए हैं। अमेरिका में भी कंडीशन खराब है। यहां डिजिटल एलर्जी बड़े पैमाने पर डिजिटल स्ट्रेस का कारण बन गई है। सोशल मीडिया में अमेरिकी सबसे ज्यादा समय बिताते हैं। चीन तीसरा ऐसा देश है, जहां डिजिटल एलर्जी काफी खतरनाक तरीके से लोगों के लिए समस्या बनती जा रही है। हालांकि चीन में सरकार ने डिजिटल दुनिया पर नियंत्रण रखने के लिए गेमिंग का समय तय कर दिया है, लेकिन युवाओं पर नियंत्रण रखना काफी मुश्किल हो रहा है। इस वजह से वहां भी डिजिटल डिटॉक्स सेंटर्स बढ़ रहे हैं। अगर अपने देश में भी अभी से कारगर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों यहां भी बड़ी संख्या में डिजिटल डिटॉक्स सेंटर्स खोलने होंगे।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

जिस तरह से आज किए जाने वाले पैसों का इनवेस्टमेंट भविष्य में बेहतर और खुशहाल जीवन की राह बनाता है। उसी तरह अगर आप खुद में कुछ इनवेस्टमेंट रेग्युलर करते रहे तो हेल्दी, हैप्पी, स्मार्ट और वेल्दी लाइफ जी सकते हैं। इस बारे में बहुत यूजफुल सजेशंस।

खुद में करें ये इनवेस्टमेंट बनें हेल्दी-हैप्पी-स्मार्ट

आमतौर पर निवेश यानी इनवेस्टमेंट की बात आते ही, आप सबसे पहले बैंक, शेयर बाजार, प्रॉपर्टी या गोल्ड, डायमंड के बारे में सोचते हैं। लेकिन इन सबसे जरूरी कुछ ऐसे निवेश होते हैं, जो आपको खुद पर जरूर करने चाहिए। ये निवेश आपको इंटेलिजेंट, हैप्पी, हेल्दी, स्मार्ट और वेल्दी बनाएंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थः इस दुनिया में आपको फिजिकली और मेंटली एक्टिव रहना है तो तन-मन की सेहत का ख्याल रखना आपकी सबसे पहली जरूरत है। हमेशा केवल स्वाद के लिए नहीं बल्कि अपने बॉडी सिस्टम को हेल्दी, एनर्जेटिक और क्लीन रखने के लिए खाएं। बाजारू, प्रोसेस्ड, तला-भुना, जंक फूड नियमित खाने की आदत ना बनाएं। एक्सरसाइज को विकल्प नहीं जरूरत समझें। मेंटल पीस के लिए परेशान करने वाले और टेंशन देने वाले लोगों से दूर रहें। ईर्ष्यालु और नेगेटिव सजेशन देने वालों से संबंध ना रखें।

सपोर्ट सिस्टमः हमारे नजदीकी दोस्त, परिवार के सदस्य, शुभेच्छु, रिश्तेदार, अच्छे पड़ोसी और कुलीग्स, ये सब किसी मूल्यवान संपदा से कम नहीं होते हैं। ये हमारे सपोर्ट सिस्टम का अहम हिस्सा होते हैं। मन विचलित हो, परिस्थितियां प्रतिकूल हों, असमंजस या दुविधा हो, तबीयत खराब हो, कोई विपदा हो, आर्थिक समस्या हो, तो ये हमारा मार्गदर्शन करते हैं और हमारी मदद भी करते हैं। बिजनेस आगे बढ़ाने या प्रोफेशनल सक्सेस में भी उनकी भूमिका होती है। उनके लिए सदैव प्रेम पूर्ण और अपनेपन का व्यवहार रखें। समय-समय पर कृतज्ञता व्यक्त करें, शुभ अवसरों पर आमंत्रित करें, उपहार दें और उनका सम्मान करें।

एक्सपीरियंसः वास्तविक जीवन के अनुभव आपको इतना कुछ सिखा सकते हैं कि आपको कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ेगा। तरह-तरह के लोगों से मिलना-जुलना, उनसे बातचीत करना, अलग-अलग शहरों और राज्यों में घूमना, विभिन्न बाजारों में जाकर वहां का अध्ययन करना, सेमिनारों में शरीक होकर अच्छी बातें सुनना, समझना और अनुभवी लोगों से विचारों का आदान-प्रदान करना, आपको जीवन की कई सच्चाइयों से रूबरू कराएगा और आपको एक समझदार व्यक्ति बनाएगा। लेकिन नए-नए एक्सपीरियंस पाने के लिए आपको जरूरत पड़ने पर कंफर्ट जोन से बाहर भी निकलना होगा।

रेग्युलर नॉलेज गेनः ज्ञान सबसे बड़ा धन है। आपकी जनरल नॉलेज स्ट्रांग होनी चाहिए। अपने करियर, बिजनेस या प्रोफेशन की तकनीक, मार्केट ट्रेंड, दूसरों के प्रोडक्ट, उनकी सर्विसेज, उनकी तैयारी, सामाजिक परंपराओं, रीति-रिवाज आदि की समुचित जानकारी होगी, तभी आप हेल्दी, वेल्दी और हैप्पी रह पाएंगे। इसके लिए किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें, एक्सपर्ट्स के टेड टॉक या यूट्यूब चैनल देखें, टीवी चैनल देखें और अनुभवी लोगों से संपर्क में रहें। इससे आपको अधिकतम जानकारी मिलने के साथ-साथ नए-नए आइडिया भी दिमाग में आएंगे।

इंप्रेसिव अपीयरेंसः आपका ओवरऑल अपीयरेंस कैसा है, आप लोगों के सामने खुद को कैसे प्रस्तुत करते हैं, आपकी उपस्थिति लोगों को अच्छी और प्लीजेंट लगती है या उबाऊ लगती है? ये बातें आपकी समृद्धि, सफलता, शोहरत और सुकून के लिए काफी मायने रखती हैं। इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व, पहनावे, सौंदर्य को निखारने के लिए सचेत रहना चाहिए। इसके लिए थोड़ा बहुत समय, धन और ऊर्जा खर्च करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

साइड बिजनेसः आपको अपने मुख्य कारोबार या जॉब के साथ-साथ कोई ना कोई साइड बिजनेस या अर्निंग हॉबी जरूर रखनी चाहिए। यह आपको क्रिएटिव और एक्टिव रखेगा। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। एक्स्ट्रा इनकम सोर्स आपकी थिंकिंग पावर और सोशल नेटवर्क भी बढ़ाएगा।

साइलेंस टाइमः थोड़ा सा समय आपको रोजाना एकदम एकांत में बिताना चाहिए। ऐसा स्थान जहां सिर्फ आप, आपके इष्ट देव, आपके विचार हों। इससे आप आत्म मंथन कर सकेंगे। रोजाना यह समय 15 से 30 मिनट तक आपकी सुविधा के अनुसार हो सकता है। इससे आपके सारे तनाव रिलीज होते रहेंगे। *

धैर्य रखना है जरूरी

जिस तरह अच्छे से अच्छा निवेश भी आपको रातों-रात अच्छे रिटर्न नहीं देता है। खुद पर किए गए ये निवेश भी धीरे-धीरे फायदा देते हैं। इसके फायदे समय के साथ बढ़ते हैं। इसलिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है। आपको अपने निवेश में विश्वास भी होना चाहिए। यकीन मानिए, ये निवेश आपको धीरे-धीरे हेल्दी, हैप्पी, वेल्दी और स्मार्ट इंसान बना देंगे।

कविता
रजनीकांत शुक्ल

करे नहीं वो सवारी

इस मोबाइल में ऐसा क्या
सारे घुसे हुए हैं,
वश में उसके हुए, जहर के
जैसे डसे हुए हैं।
देखो जिसे वे ही दीवाने
चैन न पल भर पाते,
दूर एक पल हुआ झपटकर
उसको तुरत उठाते।
सारे रिश्ते-नाते, दुनियादारी
पर यह भारी,
अभी अगर यह हाल, कहां कल
जाने की तैयारी।
कहीं न ऐसा हो कि जाल में
इसके मैं फंस जाऊं,
देख रहा हूं करूं मैं क्या, जो
फंदे से बच पाऊं।
है तकनीक जरूरी पर वह
हम पर हो ना भारी,
हम उस पर सवार हों, हम पर
करे नहीं वो सवारी।

लघुकथाएं

वजह

दाएं हाथ में छुट्टी की अर्जी का कागज पकड़े धड़कते दिल से मैंने दूसरे हाथ से साहब के कमरे का दरवाजा दो बार खटखटाया। फिर दरवाजा खोलकर कमरे के अंदर चला गया। साहब सिर झुकाए किसी फाइल में डूबे थे। उनकी बड़ी-सी मेज पर बहुत-सी फाइलें तरतीब से रखी थीं।

साहब ने सिर उठाकर मेरी ओर देखा तो मैंने अपनी अर्जी का कागज उनकी तरफ बढ़ाते हुए मिमियाती-सी आवाज में कहा, 'सर, वाइफ बहुत बीमार है, हॉस्पिटल में एडमिट है। मेरे अलावा और कोई है नहीं उसकी देखभाल के लिए। पांच दिन की छुट्टी चाहिए, सर!'

साहब बहुत सख्त मिजाज थे। आसानी से किसी को छुट्टी देते नहीं थे। मुझे यही लग रहा था कि वह मुझे छुट्टी देने से यह कहते हुए इंकार कर देंगे कि फलां-फलां जरूरी काम पड़ा है करने को।

साहब ने अर्जी का कागज पढ़ा और उस पर कुछ लिखने लगे। मुझे लगा कि वे जुबानी नहीं, बल्कि लिखित में छुट्टी देने से मना कर रहे हैं। फिर उन्होंने बजर दबाकर दूसरे कमरे में बैठे अपने पीए को बुलाया। मुझे लगने लगा कि अब साहब मेरी अर्जी का कागज उसे थमाकर कहेंगे कि इसकी फोटोकॉपी रखकर अर्जी मुझे लौटा दी जाए।

पीए कमरे में आया तो साहब ने अर्जी उसे देकर मेरी तरफ इशारा करते हुए कहा, 'कुमार की वाइफ हॉस्पिटलाइज्ड है। यह छुट्टी पर जा रहा है। इसे गाड़ी से हॉस्पिटल तक छुड़वा दो।' फिर मेरी ओर देखते हुए बोले, 'वाइफ का ध्यान रखना। कोई जरूरत हो तो बताना।'

साहब की बात सुनकर रुंधे गले से मेरे मुंह से निकला, 'थैंक यू वेरी मच, सर!' पीए के साथ साहब के कमरे से बाहर आया तो मैं उससे बोला, 'पता नहीं, साहब ने इतनी आसानी से मुझे छुट्टी कैसे दे दी? मुझे तो लग रहा था मना कर देंगे।'

मेरी बात सुनकर पीए बोला, 'दरअसल, साहब को ऑफिस से छुट्टी न मिलने की वजह से उनकी वाइफ का कई साल पहले देहांत हो गया था। तब साहब, छोटे साहब थे, उनके बड़े साहब ने ऑफिस के जरूरी काम की बात कहकर उन्हें छुट्टी नहीं दी थी। साहब की वाइफ की हालत बिगड़ गई और वह चल बसी थीं।' 'ओह!' मेरे मुंह से निकला। इतने कड़क साहब के इतनी आसानी से मुझे छुट्टी दे देने की वजह साफ थी। मैं उनके प्रति कृतज्ञ था। *

- हरीश कुमार अमित

वो तीन बरस!

दूर तक कार संग चलती लंबी सड़क। एयरपोर्ट से उसके घर की दूरी आज कितनी लंबी लग रही थी। बरसों-बरस से वही जाना-पहचाना शहर... पर इन बीते बरसों में कितना कुछ बदल गया है! आंखों में कुछ चुभा, रुमाल से चश्मा साफ किया।

घर से दूर... कुछ परिस्थितियां, कुछ विवशताएं... तीन बरस से परदेश से घर न आ पाया। वही वीडियो कॉल्स, फोन, चैटिंग्स के साथ इन तीन सालों में उसकी बेटी भी साल भर की हो गई।

बेटियों की तो ससुराल से मायके न आ पाने की मजबूरियां होती हैं। वह बेटा है मां-बाबा के सपनों को संजोए कई सपने... सपने ही सपने... सपनों को सच में बदलते सप्ताह, महीने, बरस बीत गए घर आए...। अबोली-अनाम परेशानियां जब तब मुंह बाए खड़ी हो जातीं।

सड़क किनारे खड़े हरे-हरे बांस के पेड़... शायद उसे देख झूम रहे थे। घर आ गया! बचपन से ही ये बांस के पेड़ उसे घर से जोड़ते आए हैं। कार घूमी और सजीले सफेद घर के सामने खड़ी हो गई। यही तो खूबी है मां की, मां ने कितना सुंदर सजा रखा है घर। जो भी सामने से गुजरता है, उसकी निगाहें बरबस घर की ओर चली ही जाती हैं।

अपनी पोती के स्वागत के लिए आतुर प्रसन्नवदना मां आरती का थाल लिए द्वार पर आ गईं। मुख्य द्वार से प्रवेश द्वार तक बिछी गुलाब की पंखुड़ियों और मां की ममता से आंगन महक रहा था।

डबडबाई आंखों से मां ने मिनी को देखा और अपने आंचल में छुपा लिया। वह मां के चरण छूता, उससे पूर्व ही मां नन्हे बच्चे सी उससे चिपक गईं। अपने आंसुओं को हथेली से पोंछ मां को देखा-वही मुस्कान! पर इन तीन बरसों ने मां के चेहरे पर कई आड़ी-तिरछी रेखाएं खींच दी थीं। दूर खड़े बाऊजी ने अपने दोनों बांहें फैला दीं। वह भी बाऊजी का नन्हा बन उनकी बाहों में समा गया। बाऊजी भी अब पहले से कहां रह गए थे, जो मजबूत हाथ उसे झूला झुलाते थे, वो कमजोर लग रहे थे।

मां और बाऊजी के ये चेहरे उस चेहरे से पूरी तरह अलग थे, जिन्हें वह वीडियो कॉल में देखा करता था।

'आओ बेटा!' कहते हुए मां भीतर ले जाने लगीं। घर के कोने-कोने से मां का कला-कौशल झांक रहा था।

मिनी का कमरा लाल, पीले, नीले गुब्बारों संग इमोजीस वाले पीले गुब्बारों से सजा उमग रहा था। बिछौने पर मां के हाथ का बना, स्नेह-ममता से भीगी पंक्तियों सजा कार्ड, उन्हीं के हाथों से बने कागज के फूलों का गुलदस्ता और खिलौने मिनी का स्वागत करने को तत्पर..! उसने मां को एक बार फिर गौर से देखा... उनकी आंखों पर चढ़े चश्मे का लेंस मोटा हो गया था।

इन तीन सालों ने पता नहीं क्या-क्या बदल दिया! वह अंदर से चटकता झर रहा , तभी गुब्बारों से सजी दीवारों पर उसका ध्यान गया! कई जगह से दरकी-चटकी दीवारें!

'घर भी अम्मा-बाऊजी संग....!' भीतर ही भीतर वह यह सब देखकर बेचैन हो उठा। सोच रहा था, 'ये तीन बरस! कैसे लौटा पाऊंगा! जिंदगी के ये तीन बरस...!' *

-डॉ.यशोधरा भटनागर

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

वक्त की नब्ज पर

अविनाश मिश्र कई वर्षों से कविताएं लिख रहे हैं। पूर्व में प्रकाशित उनके कविता संग्रहों की कविताओं में भावनात्मक रूप से जो उद्वेलन था, उसके इतर हाल में छपकर आए उनके कविता संग्रह 'वक्त जरूरत' की कविताओं में एक ठहराव और वैचारिक परिपक्वता, गहनता स्पष्ट तौर पर देखी जा सकती है। यहां वे ना केवल राजनीतिक पाखंड और उसकी कुटिल चालबाजियों को लक्षित करते हैं, सामाजिक विद्रूप पर भी अंगुली रखते हैं। *'प्यार के अनुरोध को अधराह छोड़/ सब अब नफरत की गाड़ी में सवार हैं।'* (इस दृश्य में) और *'वहां भी बहुत कुछ डूब रहा है/जहां बाढ़ जैसा कुछ नहीं।'* (डूब) जैसी पंक्तियां हमारे समाज मे निरंतर क्षरित होती मनुष्यता को प्रकट करती हैं। जातिवाद, संप्रदायवाद को कठघरे में खड़े करने के साथ ही लोकतंत्र में उपेक्षित आम आदमी की विडंबना को भी कवि ने प्रभावी ढंग से इन कविताओं में उकेरा है। भाषा की क्लिष्टता से मुक्त इन कविताओं में संवेदना की कोमलता पर यथार्थ की कुरूपता हावी दिखती है। *

पुस्तकः वक्त जरूरत (कविता संग्रह),
रचनाकारः अविनाश मिश्र, **मूल्यः** 199 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

एसईसीएल के सीएमडी के रूप में हरीश की अनुशंसा

बिलासपुर। लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) भारत सरकार द्वारा एसईसीएल के नए चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) के लिए हरीश दोहन के नाम की अनुशंसा की गई है। श्री दोहन वर्तमान में

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में निदेशक तकनीकी के पद पर कार्यरत हैं। श्री दोहन को माइनिंग क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है, जिसमें फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन, डिजिटाइजेशन तथा सौर परियोजनाओं के विकास का अनुभव शामिल है। श्री दोहन ने नागपुर विश्वविद्यालय से माइनिंग में स्नातक उपाधि अर्जित की। उन्होंने वर्ष 1989 में वेस्टर्न कोलफील्ड्स से कोल इंडिया में अपनी सेवा की शुरुआत की। उन्होंने फर्स्ट क्लास माइन मैनेजर सर्टिफिकेट तथा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की उपाधि भी अर्जित की है। श्री दोहन कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निगाही परियोजना के एरिया जनरल मैनेजर तथा कारपोरेट प्रोजेक्ट प्लानिंग विभाग के महाप्रबंधक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। श्री दोहन के एसईसीएल के सीएमडी के पद पर चयनित होने पर एसईसीएल शीर्ष प्रबंधन सहित अधिकारियों-कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी है।

हाईकोर्ट ने कहा- अभ्यर्थी केवल पाठ्यक्रम जानने के हकदार, परीक्षा का पैटर्न नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने सिविल जज (प्रवेश स्तर) मुख्य परीक्षा, 2023 के परीक्षा पैटर्न को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को खारिज किया है। कोर्ट ने कहा कि अभ्यर्थी केवल परीक्षा का पाठ्यक्रम जानने के हकदार हैं। परीक्षा का पैटर्न और पूछे जाने वाले प्रश्नों का क्रम परीक्षा संचालन प्राधिकरण के विशेष अधिकार क्षेत्र में आता है। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने तर्क दिया था कि मुख्य परीक्षा आयोजित करने के पैटर्न की जानकारी न तो नियमों में और न ही विज्ञापन में अधिसूचित की गई। कोर्ट ने माना कि परीक्षा के पैटर्न को अधिसूचित करने की कोई आवश्यकता नहीं थी और उन्हें केवल पाठ्यक्रम जानने का अधिकार था। मुख्य परीक्षा का पैटर्न और उस परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न परीक्षा संचालन निकाय के विशेष अधिकार क्षेत्र में हैं। कोर्ट ने इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए विशिष्ट क्रम में प्रश्नों के उत्तर देने की आवश्यकता के बारे में पहले से पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस चूक के कारण परीक्षा के दौरान भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं हो सका, क्योंकि वे निर्धारित क्रम का पालन करने में असफल रहे थे। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के इस तर्क से असहमति जताते हुए कहा कि यह परीक्षा परिणाम रद्द करने का वैध कारण नहीं है। प्रश्न-उत्तर पुस्तिका में निर्देश दिए गए थे और याचिकाकर्ताओं को उत्तर लिखने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ना चाहिए था।

- सिविल जज परीक्षा को चुनौती देने वाली सारी याचिकाएं खारिज

भर्ती प्रक्रिया के बीच में नियमों में बदलाव : अभ्यर्थी

ज्ञात हो सीजी पीएससी ने राज्य के विभिन्न जिला न्यायालयों में 49 पदों को भरने के लिए सिविल जज (प्रवेश स्तर) परीक्षा 2023 में आयोजित की थी। विवाद तब पैदा हुआ जब सीजी पीएससी ने अक्टूबर 2024 में मुख्य परीक्षा के परिणाम घोषित किए। इसमें 151 उम्मीदवारों को मौखिक परीक्षा के लिए चुना गया। याचिकाकर्ताओं सहित कई आवेदकों ने पाया कि उनकी उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन से बाहर रखा गया था। सीजी पीएससी ने उत्तरों को निर्दिष्ट स्थानों पर क्रम में लिखने के निर्देश का पालन न करने को उत्तर पुस्तिकाओं के बहिष्कार का कारण बताया। अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के न जांचने और नए परीक्षा पैटर्न के बारे में स्पष्टता की कमी बताते हुए संबंधितों ने याचिका दायर की। उन्होंने तर्क दिया कि सीजीपीएससी की कार्रवाई मनमानी थी और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन करती थी। उन्होंने तर्क दिया कि प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अचानक एक क्रमिक आदेश लागू करना अनुचित था और भर्ती प्रक्रिया के बीच में नियमों में बदलाव की तरह था।

दो लोगों से करीब 30 किलो गांजा जब्त

महासमुंद। खल्लारी पुलिस ने ओडिशा की ओर से बाइक में आ रहे दो लोगों के कब्जे से करीब 30 किलो गांजा जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ मामले नारकोटिक एक्ट की धारा 20 बी के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक काले रंग के पल्सर मोटर सायकल क्र. ओडी26बी2760 में दो व्यक्ति गांजा रखकर ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। इसके बाद उन्हें रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मानव भोई पिता गजेंद्र भोई (24 वर्ष) निवासी कांडेतरा थाना कोमना जिला नुआपड़ा और दुष्मंत बाघ पिता धुरंधर बाघ (25 वर्ष) कांडेतरा थाना कोमना जिला नुआपड़ा ओडिशा का होना बताया।

बड़े निवेशकों को पसंद बन रहे पीएमएस और एआईएफ

भारत का वैकल्पिक निवेश उद्योग, जिसमें पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) और ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) शामिल हैं, 2030 तक 100 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है। यह दावा पीएमएस बाजार की एक रिपोर्ट में किया गया है। यह मौजूदा मूल्य का पांच गुना है और इसे हासिल करने में सिर्फ छह साल लगेंगे।

अगर आपके पास अच्छा पैसा है, लेकिन आप इसे सही तरीके से निवेश करने या खुद सही विकल्प को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं, तो पीएमएस आपकी मदद कर सकता है। पोर्टफोलियो मैनेजर एक प्रोफेशनल होता है, जो आपकी तरफ से आपके निवेश को संभालता है। वह स्टॉक्स, बॉन्ड्स और अन्य संपत्तियों को देखकर आपकी जरूरत, रिस्क लेने की क्षमता और निवेश अवधि के अनुसार एक कस्टम प्लान तैयार करता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं लेकिन आपके पास रिसर्च करने का समय या विशेषज्ञता नहीं है, तो पीएमएस आपके लिए यह काम करता है। यह रिसर्च करता है, निर्णय लेता है और आपके निवेश की निगरानी करता है ताकि आपकी संपत्ति बढ़ सके। पीएमएस एक व्यक्तिगत और प्रोफेशनल निवेश सेवा है, जो बड़े निवेशकों (अक्सर 50 लाख रुपये या उससे अधिक पूंजी वाले) के लिए बनाई गई है। इसमें पोर्टफोलियो मैनेजर आपकी पूंजी को आपके गोल और रिस्क सहने की क्षमता के अनुसार मैनेज करता है।

एआईएफ रिस्क और अवसर का बैलेंस

एआईएफ में कई निवेशकों की पूंजी को एक फंड मैनेजर द्वारा मैनेज किया जाता है। यह पूंजी स्टॉक्स या बॉन्ड्स के बजाय प्राइवेट इक्विटी, रियल एस्टेट, वेंचर कैपिटल, हेज फंड्स या स्टार्टअप्स जैसे एसेट में लगाई जाती है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप स्टार्टअप्स में निवेश करना चाहते हैं लेकिन पर्सनल रिस्क उठाने से बचना चाहते हैं, तो एआईएफ आपकी पूंजी को अन्य निवेशकों के साथ मिलाकर हाई रिटर्न वाले विकल्पों में निवेश करता है।

कैटेगरी-II एआईएफ में सबसे ज्यादा रुचि : वित्त वर्ष-25 में, एआईएफ के अंदर कैटेगरी-II फंड्स का हिस्सा सबसे बड़ा रहा। यह वैकल्पिक निवेश विकल्प हाई नेटवर्थ व्यक्तियों (एचएनआई) और अल्ट्रा-हाई नेटवर्थ व्यक्तियों (यूएचएनआईएस) के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। 2030 तक पीएमएस और एआईएफ बाजार 100 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है। यह न केवल भारत को एक मजबूत वित्तीय केंद्र बना रहा है, बल्कि निवेशकों को बेहतर रिटर्न और विकल्प प्रदान कर रहा है।

निवेशकों का झुकाव क्यों बढ़ा

पर्सनल समाधान और ज्यादा रिटर्न : एचएनआई और यूएचएनआई निवेशक अपने हिसाब से बने निवेश विकल्प और बेहतर रिटर्न पाने के लिए वैकल्पिक निवेश को चुन रहे हैं।

विविधता की मांग : इन विकल्पों से पोर्टफोलियो में विविधता लाने में मदद मिलती है।

नियामकीय सुधार : हाल के नियम निवेशकों की सुरक्षा बढ़ाने और उनके विश्वास को मजबूत करने पर केंद्रित हैं।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि म्यूचुअल फंड्स से हटकर पीएमएस और एआईएफ जैसे विकल्पों की तरफ तेजी से रुझान बढ़ रहा है। बेहतर रिटर्न और कम जोखिम के कारण ये निवेश विकल्प ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। आने वाले सालों में यह उद्योग 3-4 गुना तक बढ़ सकता है।

बिजनेस साइट

प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा निर्वाणा फेज-3' को मिल रहा शानदार रिस्पांस

रायपुर। रहेजा ग्रुप के प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा निर्वाणा' के तीसरे फेज के तीन दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम को दूसरे दिन भी उत्साहजनक रिस्पांस मिला। ग्राहकों ने साइट विजिट कर प्लाट की बुकिंग की।

Raheja Nirwana - 3
Residential Plots with Premium Facilities

इस प्रोजेक्ट का प्रमुख आकर्षण यहां का मिनी वाटर पार्क है, जिसे विशेष रूप से बच्चों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सुविधाएं रायपुर के किसी भी रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट में पहली बार उपलब्ध कराई जा रही हैं।

रहेजा निर्वाणा के तीसरे फेज में जिम, स्विमिंग पूल, योगा गार्डन और लैंडस्केप्ड गार्डन्स जैसी अनेक सुविधाएं दी गई हैं, जो इस प्रोजेक्ट को खास बनाती हैं। विशेष रूप से यहां के प्राकृतिक वातावरण की शांति और सुविधाओं ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा रहेजा निर्वाणा में श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। रहेजा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय रहेजा ने बताया कि 'रहेजा निर्वाणा-3' में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता का संतुलन बनाया गया है। लोगों की सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर बनाया गया यह शानदार प्रोजेक्ट है। उन्होंने आगे कहा कि तीन दिन तक चलने वाले इस लॉन्चिंग कार्यक्रम में प्लाट की बुकिंग पर ग्राहकों को निश्चित उपहार भी दिए जाएंगे।

प्रीमियम अपार्टमेंट प्रोजेक्ट 'अविनाश नियोपोलिस' की हुई भव्य लॉन्चिंग, मिला शानदार रिस्पांस

रायपुर। मध्य भारत की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी अविनाश ग्रुप ने शनिवार को अपने प्रीमियम अपार्टमेंट प्रोजेक्ट 'अविनाश नियोपोलिस' का भव्य शुभारंभ किया। इस प्रोजेक्ट के लॉन्चिंग और भूमिपूजन कार्यक्रम में अविनाश ग्रुप के चेयरमैन अरुण सिंघानिया, डायरेक्टर सौरभ अग्रवाल, डायरेक्टर प्रतीक शर्मा, प्रोजेक्ट पार्टनर इंद्रजीत सलूजा, जसबीर सलूजा, मनजीत सलूजा, वाइस प्रेसिडेंट रमेश सिंह, सीनियर जीएम सेल्स विपिन झा, जीएम कंस्ट्रक्शन विनय शर्मा, एजीएम सेल्स नियोपोलिस ओम प्रकाश वैष्णव एवं अविनाश ग्रुप के स्टाफ और सम्मानित ग्राहक उपस्थित रहे।

- 3 और 4 बीएचके प्रीमियम अपार्टमेंट और लिमिटेड एडिशन पेंट हाउस का विकल्प

इस दो दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम में साइट विजिट, स्पॉट बुकिंग और बैंक फाइनेंस जैसी सुविधाएं मिलेंगी। लॉन्चिंग कार्यक्रम के पहले दिन ग्राहकों का शानदार रिस्पांस मिला। ग्राहकों ने साइट विजिट कर स्पॉट बुकिंग की। इस प्रोजेक्ट में 3 और 4 बीएचके प्रीमियम अपार्टमेंट और लिमिटेड एडिशन पेंट हाउस का विकल्प उपलब्ध होगा। यह प्रोजेक्ट पांच ब्लॉक टॉवर्स और लगभग 400 अपार्टमेंट्स के साथ आएगा, जिसमें शानदार पेंट हाउस भी शामिल है। प्रोजेक्ट की लोकेशन भाठागांव के केंद्रीय क्षेत्र में उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के पास स्थित है। इस प्रोजेक्ट में सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। यहां क्लब हाउस, दो कवर किए गए बैडमिंटन कोर्ट्स, बैंक्वेट हॉल, इंडोर गेम्स, जिम, टेबल टेनिस, पूल टेबल, बोर्ड गेम्स, स्विमिंग पूल, मंदिर, मल्टीपर्पज लॉन, मल्टीपर्पज कोर्ट, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, सीटिंग एरिया, नेट क्रिकेट के साथ अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

अविनाश ग्रुप के एमडी आनंद सिंघानिया ने कहा कि अविनाश नियोपोलिस की खास बात इसका प्राइम लोकेशन और लक्जरी सेगमेंट है। यहां की लाइफस्टाइल और अमेनिटीज अपने आप में यूनिक हैं। इस प्रोजेक्ट की कनेक्टिविटी भी बेहतरीन है, क्योंकि यह बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हॉस्पिटल्स, मॉल्स, स्कूल और मार्केट के पास स्थित है। साथ ही, एयरपोर्ट और हाईवे से इसकी शानदार कनेक्टिविटी इसे निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाती है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एसआरयू के नए मेडिकल कॉलेज भवन और दो छात्रावासों का उद्घाटन समारोह आज

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च में 8 दिसंबर को एक ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा नए मेडिकल कॉलेज भवन और दो छात्रावासों का उद्घाटन किया जाएगा। इन छात्रावास भवनों में 210 छात्रों के समायोजन की क्षमता है और उद्घाटन समारोह में व्हाइट कोट और चरक शपथ जैसे महत्वपूर्ण क्षण भी शामिल होंगे, जो 150 एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच के लिए चिकित्सा यात्रा की शुरुआत को चिन्हित करेंगे।

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नए मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे का करेंगे अनावरण
- 150 एमबीबीएस छात्रों के लिए व्हाइट कोट समारोह

नव-निर्मित छात्रावास पूरी तरह से सुसज्जित हैं, जो छात्रों के लिए आरामदायक और आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं। छात्रों को आधुनिक व्याख्यान कक्ष, प्रवेश कक्ष और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं मिलेंगी, जो उनकी शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। नवीनतम शैक्षणिक सुविधाओं के अलावा, इस मेडिकल कॉलेज में एक 635 बिस्तरों वाला अस्पताल भी है, जो अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों से लैस है। यह अस्पताल किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें डॉक्टरों के परामर्श से लेकर उपचार और जांच की विस्तृत सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार कम लागत पर उपलब्ध कराता है।

सारडा डेयरी एंड फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (वचन) का पंडरी में एक्सक्लूसिव डेयरी पार्लर का उद्घाटन

रायपुर। सारडा डेयरी एंड फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (वचन) ने शनिवार को पंडरी में अपने नए एक्सक्लूसिव डेयरी पार्लर का भव्य उद्घाटन किया। यह पार्लर सारडा ग्रुप की गुणवत्ता और पोषण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो ग्राहकों को ताजे और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराएगा। वचन डेयरी पार्लर में ग्राहकों को दूध, दही, पनीर, मक्खन, घी, फ्लेवर्ड मिल्क सहित वचन के विशेष उत्पाद जैसे रबड़ी और श्रीखंड भी मिलेंगे, जिन्हें विशेष रूप से स्थानीय स्वाद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सारडा ग्रुप के चेयरमैन कमल किशोर सारडा उपस्थित रहे, जिनके साथ वामा ग्रुप के मालिक महेंद्र कुमार धारीवाल भी इस आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमल किशोर सारडा ने कहा कि यह डेयरी पार्लर केवल एक व्यावसायिक पहल नहीं, बल्कि हमारे गुणवत्ता और विश्वास के प्रति समर्पण का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य ताजे, पौष्टिक और विविधतापूर्ण डेयरी उत्पादों को ग्राहकों के पास लाना है। इस मौके पर सारडा ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक पंकज सारडा, निदेशक विपुला सारडा, जीके छंगानी, वेंकट राम, सी.एच. विश्वनाथ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। उद्घाटन के अवसर पर स्थानीय समुदाय ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और वचन के उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का अनुभव किया। लाइव उत्पाद प्रदर्शन और विशेष उद्घाटन ऑफ़र ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया।

हमारा आशियाना

रेडी टू मूव प्रॉपर्टी @ बेस्ट प्राइस
रायपुर के सभी प्राइम लोकेशन में

लोकेशन	प्रॉपर्टी टाइप	ऑफर कीमत (लाख में) से शुरू
रेजिडेंशियल		
कबीर नगर के पास	1BK, 1BR, 1BHK & 2BHK	9.00
अवंती विहार चौक, मेन रोड से 200 m	1BHK	15.75
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	2 BHK, 3BHK	20.00
कमर्शियल		
मोहबा बाजार से 700 m दूर	दुकान	7.50
खालसा स्कूल, पंडरी के पास	ऑफिस एंड दुकान	38.00
मंत्रालय से 2 km दूर, नया रायपुर	ऑफिस एंड दुकान	17.50
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	दुकान	27.00
शंकर नगर	दुकान	44.00
राजकुमार कॉलेज के पास	दुकान	40.00
अवंती विहार चौक, मेन रोड से 100 m	दुकान	62.50
प्लॉट		
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	कमर्शियल प्लॉट	27.00
रिंग रोड से लगा हुआ, सिलतरा	कमर्शियल प्लॉट	29.00

avinash
a relation for life
संपर्क करें : 90181 81813

ऑफिस बॉय
तत्काल आवश्यकता है- ऑफिस मे काम करने के लिए ऑफिस बॉय की तत्काल आवश्यकता है अनुभव- 2 से 5 वर्ष, उम्र 20 से 30 वर्ष वेतन योग्यतानुसार कृपया अनुभवी ही संपर्क करें:- 9109222000. (RO-3143)

कुक/ड्रायवर
आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में सभी घरेलू कार्य एवं शाकाहारी खाना बनाने के हेतु महिला/पुरुष (ड्राइवर या कुक) चाहिए। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटका, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले संपर्क करें 9300593000.(RO-1227)

डिलीवरी कार्य
आवश्यकता है- कोरियर कंपनी को पार्सल डिलीवरी कार्य हेतु 15 लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है वेतन 12000 + पेट्रोल एवं अन्य भत्ते, बाइक एवं मोबाइल फोन धारी 10वीं पास संपर्क करें ओम एंटरप्राइजेस जब्बल टावर, सिविल लाइन, रायपुर 8770078441, 9826124088.(RO-3792)

ड्रायवर
आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है ट्रक 14 चक्का 10 चक्का- लोकल चलाने के लिए वेतन 24000+ ड्राइवरो की आवश्यकता है। संपर्क बसना- 9109191899, 9425213622.(RO-6438)

खाना मिस्त्री
आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैन्टीन में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने एवं बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा। पता- बिलासपुर 9993334937, 8871824812.(RO-36135)

अकाउन्टेंट
आवश्यकता है- भिलाई में स्थित आयरन स्टील ट्रेडिंग में कार्यरत फर्म को अनुभवी एकाउण्टेंट, जीएसटी एवं वित्त से संबंधित अनुभवी अभ्यार्थी न्यूनतम अनुभव 6 वर्ष, 2 पद वेतन एव अन्य सुविधाएं योग्यतानुसार संपर्क करे:- 7722828505.(आरो न.-6400

शॉपिंग मॉल
आवश्यकता है- VPS किराना सुपर बाज़ार और VPS पूजा समान भंडार में सभी प्रकार का काम करने हेतु इस काम के लिये 18 वर्ष से ऊपर के अनेक युवक युवती कर्मचारी चाहिये निवेदन ,अपने अपने आधार कार्ड और अपने सभी परिचय पत्र के फोटो कॉपी के साथ VPS में आकर मिले ,संपर्क , VPS SUPER BAZAR , पता , VPS वर्षा कॉम्प्लेक्स भाठागाँव रायपुर छत्तीसगढ़ VPS CALL & WHATSAPP नंबर 8109 199 199. (RO-M)

आवश्यकता
आवश्यकता है- शासकीय संस्था में फुल/पार्ट टाइम बीमा कार्य हेतु बीमा सखी/बीमा मित्र आयु सीमा 18 से 70 वर्ष योग्यता न्यूनतम 10वी पास मासिक मानदेय 7000/- प्रतिमाह +कमीशन संपर्क:- 9425460778. (RO-3145)

सर्विस
उपलब्ध है- बिजनेस सब्जी बाड़ी वालो के Stacking के लिए अलग अलग Rate का बांस उपलब्ध है। बिल्डिंग ठेकेदार के लिए बड़े बांस अलग अलग Rate पर उपलब्ध हैं। मो.- 79992-33369(आरो न.-1843)

अन्य
आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 6294162526. (RO-3128)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 8240426971, 8981475043.(RO-816)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 7450945537.(RO-751)

Business व्यापार
व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर- 8359913999, 9589288936, रायगढ़ / अंबिकापुर- 7869755871. (RO-3106)

टॉवर
टॉवर - मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट पर 5g टावर लगवा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी कागज नक्शा ऑफिस लाएं या घर बैठे ऑनलाइन सर्वे पास कराएं 9993054415, 8278191967, 9238843306. (RO-70)

Property प्रापर्टी
मकान बेचना है- चांगोराभाटा 600 एव 800 मे 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र नया बेचना है संपर्क:- 9300505421, 9993451070. (RO-3149)

बेचना है- रायपुर में VIP चौक पर ऐश्वर्या रेसीडेंसी में 4 BHK बंगला, इंद्रप्रस्थ कालोनी रायपुरा में 3 BHK डुप्लेक्स, VIP रोड पर मौलीश्री विहार में 4 BHK बंगला, न्यू धमतरी रोड पर मारुति हेरिटेज में 3 BHK फ्लैट बेचना है 9340033105, 8871343000, 7724953129. (RO-3148)

बेचना है- 2000 वर्गफीट प्लाट के ग्राउंड पर 1800 वर्गफीट 3बीएचके और प्रथम तल पर 500 वगफीट निर्मित, कुल 2300 वगफीट निर्मित,। स्नेहाशीष विहार कालोनी, गांधीग्राम(नकटा) मंदिर हसौद ओवर ब्रिज के पास, मोनेट, जिंदल, एचपी गैस, ि रटी कालेज, स्टेडियम, रेलवे स्टेशन, एनएच 6 और रिंग रोड 3 के नजदीक। कीमत 50 लाख। फायनेस उपलध। संपर्क 7722996656. (RO-33875)

हरिभूमि क्लासीफाईड

For Rent किराया
किराये से देना है- महादेव घाट लक्ष्मण झूला, रिवर फ्रंट में रफ टॉप कैफे, ढाबा पार्टी लॉन के साथ 7000 वर्ग फीट प्लाट में 6100 बिल्ड अप पार्किंग एरिया 7500 वर्ग फीट लीज। रेंट। जॉइंट ब्रेचर में देना है संपर्क - 9926800014.(RO-3794)

वैवाहिकी वधु चाहिए
वधु चाहिए
राजपूत 1282 क्षत्रीय 16/1/1987 हाइट 5'-3" रंग गेहुआं, M.Com, PGDCA, ITI, असिस्टेंट मैनेजर टाटा भिलाई में कार्यरत वर हेतु सुन्दर, सुशील सजातीय शासकीय सेवारत वधु चाहिए
सम्पर्क करें 9303026055

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82, हाइट 6' एमबीबीएस अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित, अविवाहित, सुन्दर सजातीय, अपर कास्ट, वधु चाहिए। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वर चाहिए
वर चाहिए- उम्र 37 वर्ष हाईट 5-5'' शासकीय सेवा, अन्य उच्च वर्ग भी संपर्क कर सकते है शीघ्र विवाह दहेज सहित जाति बंधन नहीं संपर्क करें व्हाटसअप नंबर 96910 30082 (7422)

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड
अर्जेन्ट आवश्यकता है - रायगढ और रायपुर प्लांट हेतु सिक्युरिटी गार्ड एवं सिक्युरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है योग्यता : - 10वीं, 12वीं हाइट :- 5.6 इंच सुविधा :- रहना + खाना + PF + ESIC वेतन :- 14500 - 18000 पता :- 6 फ्लोर, ऑरेंज हाइव मेन रोड मोवा थाना रायपुर सम्पर्क :- 8109070600, 7869230888. (RO-6437)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर 2, सुरक्षा गार्ड 18 लेडी गार्ड 2, मार्केटिंग अधिकारी 2, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास 1 time भोजन फ्री गार्ड हेतु, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000019, 7747000016. (RO-3114)

लेबर
तुरंत आवश्यकता है- राजनांदगांव के पास फार्म में ही रह कर काम करने के लिए परमानेंट लेबरों की। परिवार वालों (पति-पत्नि) को प्राथमिकता। संपर्क :- 7722916130.(आरो न.-6399)

आवश्यकता
आवश्यकता है- दुर्ग शर्मा लाईट मे कार्य करने के लिये लड़का / लड़की की आवश्यकता है, 4 विलर गाडी चलानी आती हो और लाईसेन्स होना चाहिये। वेतन योग्यतानुसार दुर्ग भिलाई वालो को प्राथमिकता। संपर्क :- 93034-02777, 98271-79204.(आरो न.-637)

चिकित्साकर्मी
आवश्यकता है- स्पर्श मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु आईसीयू ड्यूटी डॉक्टर, योग्यता एमबीबीएस/ बीएएमएस । स्टाफ नर्स, योग्यता बीएससी / जीएनएम। एंडोस्कोपी टेक्निशियन योग्यता डिप्लोमा इन एंडोस्कोपी। बिलिंग एग्जीक्यूटिव योग्यता ग्रेजुएट । सैलरी अनुभव एवं योग्यता अनुसार अपना आवेदन एवं बायोडाटा भेजे मो. 7773010950 Email- hrmanger@sparshbhilai.com (आरो.-SPD/835)

सुरक्षागार्ड
तत्काल आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस मे कार्य करने हेतु सुरक्षा गार्ड एवं घरेलु नौकर की अनुभव- 5 से 10 वर्ष, उम्र 25 से 35 वर्ष वेतन योग्यतानुसार कृपया अनुभवी ही संपर्क करें:- 9109222000. (RO-3144)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टेलीकॉलर/टेक्नीशियन
आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु 12TH PASS टेलीकॉलर- 2 ऑफिस असिस्टेंट -02 सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4 सर्विस टेक्निशियन 2 OFFICE BOY 1 (अनुभव आवश्यक नहीं) संपर्क:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461.(RO-3133)

वाइंडर/हेल्पर
आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर /जनरेटर वर्कशॉप में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। 7898900131, 7694954356. (RO-328)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल
आवश्यकता है- साड़ी शोरूम में काम करने हेतु सेल्समेन, सेल्सगर्ल, अकाउंटेंट, एवं हेल्पर की आवश्यकता है रायपुर लोकल रहने वाले ही संपर्क करें:- विरदी साड़ी कंकालीपारा रायपुर Mob. 9425216364, 9425522576.(RO-3142)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- दवा दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें :-नाहर मेडिकल स्टोर्स शॉप नंबर 39 सिविक सेंटर भिलाई (आरो न.-638)

टीचर
Requirment- National Convent School Bhilai-3 requires PGT, TGT for English, Mathematics, Science, and Social Science and NTT. Interested teachers can contact with their resume. School reception contact no - 0788-3574326,78983-16844.(आरो न.-636)

सिविल इंजीनियर/मैनेजर
आवश्यकता है- भिलाई में स्थित सिविल इन्फ्रा में कार्यरत फर्म को अनुभवी सिविल इंजीनियर। डिप्लोमा होल्डर प्रोजेक्ट मैनेजर के लिए-2 पद। कांकेर जिले के अभ्यार्थी को प्राथमिकता वेतन एवं अन्य भत्ते योग्यतानुसार संपर्क करें:- मो.- 7722828505. (RO-1)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : भारत ने दूसरी पारी में 128 रन पर गंवाए पांच विकेट

हेड का शतक, ऑस्ट्रेलिया ने बनाया दबदबा, बढ़त से 29 रन पीछे भारत

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

ट्रेविस हेड (140) के आक्रामक शतक से पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने बड़ी बढ़त ले ली। कंगारुओं ने पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां दूसरी पारी में 128 रन पर भारत के पांच विकेट झटक कर मैच पर अपना दावा काफी मजबूत कर लिया। हेड की इस पारी के बाद पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी ने इस दिन-रात्रि टेस्ट मैच में ऑफ स्टंप के करीब शानदार लाइन-लेंथ वाली गेंदबाजी से भारत के किसी बल्लेबाज को क्रीज पर ज्यादा समय तक टिकने का मौका नहीं दिया।

ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए मजबूर करने के लिए भारत को और 29 रन बनाने होंगे। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत (28) और नीतिश कुमार रेड्डी (15) क्रीज पर मौजूद थे। हेड ने 111 गेंद में करियर का आठवां टेस्ट शतक पूरा किया जो गुलाबी गेंद वाले टेस्ट की सबसे तेज शतकीय पारी है। उनकी और मार्नस लाबुशेन (64) की शानदार बल्लेबाजी से भारत के पहली पारी में 180 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 337 रन बनाकर 157 रन की बढ़त हासिल की।

राहत ! आखिरी दो टेस्ट खेलेंगे शमी

भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही श्रृंखला के आखिरी दो टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं और उनकी 'प्लेइंग किट' पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है जबकि एनसीए की मेडिकल टीम से फिटनेस मंजूरी मिलना बस औपचारिकता मात्र है। बंगाल के इस अनुभवी क्रिकेटर के लिए 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू हो रहे टेस्ट में खेलना आसान नहीं हो सकता है। लेकिन यह तय है कि वह 'बॉक्सिंग डे' (26 दिसंबर) को मेलबर्न में चौथे टेस्ट में दिखाई देंगे।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4	6
ख्वाजा का रोहित बो बुमराह	13	35	2	0
मैकस्वीनी का पंत बो बुमराह	39	109	6	0
लाबुशेन का जायसवाल बो रेड्डी	64	126	9	0
स्टीव स्मिथ का पंत बो बुमराह	02	11	0	0
ट्रेविस हेड बो सिराज	140	141	17	4
मिचेल मार्श का पंत बो अश्विन	09	26	1	0
एलेक्स कैरी का पंत बो सिराज	15	32	0	0
पैट कमिंस बो बुमराह	12	22	0	0
स्टार्क का हर्षित बो सिराज	18	15	3	0
नाथन लियोन नाबाद	04	06	0	0
स्कॉट बोलैंड बो सिराज	00	09	0	0

अतिरिक्त : 21, कुल : 87.3 ओवर में 337/10
गेंदबाजी : बुमराह 23-5-61-4, सिराज 24.3-5-98-4 , राणा 16-2-86-0, रेड्डी 6-2-25-1, अश्विन 18-4-53-1.

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का कैरी बो बोलैंड	24	31	4	0
राहुल का कैरी बो कमिंस	07	10	1	0
शुभमन गिल बो स्टार्क	28	30	3	0
कोहली का कैरी बो बोलैंड	11	21	1	0
ऋषभ पंत नाबाद	28	25	5	0
रोहित शर्मा बो कमिंस	06	15	1	0
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	15	14	3	0

अतिरिक्त: (बाई: 05, लेगबाई: 02, नोबॉल: 02) 09
कुल योग: (24 ओवर में पांच विकेट पर) 128 रन
गेंदबाजी: स्टार्क 9-0-49-1, कमिंस 8-0-33-2, बोलैंड 7-0-39-2.

सस्ते में लौटे पवेलियन

भारत की दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल (24) और शुभमन गिल (28) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे तो वहीं लोकेश राहुल (सात), विराट कोहली (11) और कप्तान रोहित शर्मा (छह) जैसे अनुभवी बल्लेबाज सस्ते में पवेलियन लौट गए।

शेफलर ने बनाई दो शॉट की बढ़त

अल्बानी। गत चैंपियन स्कॉटी शेफलर ने लय में वापसी करते हुए आठ अंडर 64 का शानदार कार्ड खेल कर हीरो वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ के दूसरे दिन दो शॉट की बढ़त हासिल कर ली। पहले दिन पांच अंडर 67 का कार्ड खेलने वाले शेफलर का कुल स्कोर 13 अंडर 131 हो गया है। शेफलर ने शुरुआती नौ होल में ही सात बर्डी लगाकर बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन वह आखिरी नौ होल में सिर्फ एक बार्डी ही लगा सके। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज शेफलर का लक्ष्य लगातार दो बार इस टूर्नामेंट को जीतकर टाइगर वुड्स (2006, 2007) और विक्टर होवलैंड (2021, 2022) की बराबरी करना है।

आई लीग : एससी बेंगलुरु ने दर्ज की अपनी पहली जीत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

पहली बार आई लीग में खेल रहे एससी बेंगलुरु ने शनिवार को यहां डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब को 3-1 से हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की। मेजबान टीम के लिए कृष्णानंद सिंह ने पहले मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद सलाम जॉनसन सिंह (86वें मिनट) और जॉर्डन लामेला (90+5) ने गोल करके बेंगलुरु की जीत सुनिश्चित की। डेम्पो एससी की तरफ से एकमात्र गोल 43वें मिनट में साईश बागकर ने किया।

गुकेश-लिरेन के बीच दसवीं बाजी भी ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय चैलेंजर डी गुकेश ने एक बार फिर चीन के मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन की चुनौती का डटकर सामना करते हुए शनिवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप की दसवीं बाजी भी ड्रॉ खेल कर मुकाबला को बराबरी पर बनाए रखा।

पिछली कुछ बाजियों की तरह इस बाजी में भी किसी तरह का रोमांच देखने को नहीं मिला। यह गुकेश के लिए काले मोहरों से खेलते हुए सबसे आसान ड्रॉ रहा। लिरेन ने कोई जोखिम नहीं लिया और वह ड्रॉ से खुश भी थे। दोनों खिलाड़ी 36 चाल के बाद अंक बांटने पर सहमत हो गए। इन दोनों के बीच यह लगातार सातवीं बाजी थी जो ड्रॉ रही। दोनों खिलाड़ी अभी तक कुल आठ बाजी ड्रॉ खेल चुके हैं और उनके सामान पांच-पांच अंक है। जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक बनाएगा वह चैंपियनशिप जीतेगा। इस तरह से वे चैंपियन बनने से अब केवल 2.5 अंक पीछे हैं। इस 25 लाख डालर इनामी प्रतियोगिता में अब केवल चार दौर की बाजी खेली जानी बाकी हैं। अगर 14 दौर के बाद भी मुकाबला बराबरी पर रहता है तो विजेता का निर्धारण करने के लिए 'टाइम कंट्रोल' के आधार पर मैच खेला जाएगा।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप

खबर संक्षेप

14 जून से होगा क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट

ज्यूरिख। क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट अमेरिका में अगले साल 14 जून से शुरू होगा जिसका पहला मैच लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी और मिस्र के अल अहली क्लब के बीच खेला जाएगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने शनिवार को एक महीने तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का कार्यक्रम जारी किया। प्रतियोगिता में सेमीफाइनल और फाइनल सहित कुल 63 मैच खेले जाएंगे। फाइनल रविवार 13 जुलाई को न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी स्टेडियम में आठ और नौ जुलाई को सेमीफाइनल भी खेले जाएंगे।

अटवाल तीसरे दौर के बाद संयुक्त नौवें स्थान पर

स्कॉट्सडेल। भारत के अर्जुन अटवाल सप्ताह के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन छह-अंडर 65 के कार्ड के साथ टीपीसी स्कॉट्सडेल में पीजीए टूर चैंपियंस क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद नौवें स्थान पर हैं। साल 2010 में पीजीए टूर जीतने वाले एकमात्र भारतीय अटवाल ने 72-67-65 के कार्ड के साथ तीन दौर तक नौ-अंडर का स्कोर बनाया। पीजीए टूर चैंपियंस में जगह बनाने के लिए अटवाल को शीर्ष पांच में रहना होगा। पिछले दिन तालिका में शीर्ष पर रहने वाले सोरेन केजेल्डसन ने तीसरे दौर में 65 के कार्ड बाद अपनी बढ़त को और मजबूत करने में सफल रहे। उनके पास तीन शॉट की बढ़त है।

अल-इत्तेहाद ने रोनाल्डो की टीम अल-नासर को हराया

एजेंसी ▶▶| जेद्दा

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल के बावजूद अल-नासर को सऊदी प्रो लीग फुटबॉल में अल-इत्तेहाद से 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। अल-इत्तेहाद की जीत में करीम बेंजेमा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के 55वें मिनट में पहला गोल दागा। रोनाल्डो ने हालांकि इसके दो मिनट के बाद गोलकीपर प्रेडरैग राजकोविच को चकमा देकर स्कोर बराबर कर दिया। रोनाल्डो के इस गोल ने राजकोविच को लगातार छठे मैच में 'क्लीन शीट' हासिल करने से रोक दिया।

रोनाल्डो और बेंजेमा के नाम इस लीग में अब 10-10 गोल हो गए हैं। साडियो माने ने अल-नासर के लिए अपना दूसरा गोल करने का मौका गंवा दिया लेकिन नीदरलैंड के स्टीवन बर्गविजन ने मैच के आखिरी क्षणों (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। सत्र में 13 मैच में 12वीं जीत के बाद अल-इत्तेहाद ने तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली जबकि अल-नासर चौथे पायदान पर है।

फुटबॉल इतिहास में पहली बार एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे पिता-पुत्र

मैड्रिड। एवर्टन के स्ट्राइकर एश्ले यंग जब एफए कप के तीसरे दौर के मैच में उतरेंगे तो उनके लिए वह मुकाबला बेहद खास बन जाएगा। दरअसल 39 साल के इंग्लिश फुटबॉलर इस मैच में अपने 18 साल के बेटे टायलर यंग के खिलाफ खेलने उतरेंगे। एफए कप के घोषित ड्रॉ में एश्ले के क्लब एवर्टन का सामना पीटरबोरो यूनाइटेड से 11 जनवरी को होगा। टायलर पीटरबोरो यूनाइटेड टीम के सदस्य हैं। ड्रॉ जारी होने के बाद एश्ले यंग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर अपनी खुशी का इजहार किया है। उन्होंने लिखा, वाउ यह सपना सच होने जा रहा है। संभवतः फुटबॉल इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब पिता-पुत्र एक-दूसरे के खिलाफ खेलने उतरेंगे। युवा खिलाड़ी टायलर ने आर्सेनल एकेडमी में ट्रेनिंग लेने के बाद पीटरबोरो के लिए इस साल अक्टूबर में पदार्पण किया था और उन्हें अब तक एक मैच खेलने का मौका मिला है। अगर सब कुछ सही रहा तो टायलर को एवर्टन के खिलाफ अगले साल 11 जनवरी को होने वाले इस मैच के लिए फाइनल लाइनअप में शामिल किया जा सकता है।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड पर बनाई 533 रन की बढ़त

वेलिंगटन। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 378 रन बनाकर 533 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल खत्म होते समय जो रूट 73 और कप्तान बेन स्टोक्स 35 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। रूट इस अर्धशतकीय पारी के साथ टेस्ट में 50 या उससे अधिक का अपना 100वां स्कोर बनाया। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले यह कारनामा सचिन तेंदुलकर, जैक्स कैलिस और रिकी पोंटिंग ने किए हैं। इंग्लैंड की टीम जब भी अपनी पारी को घोषित करेगी न्यूजीलैंड को इस मैच को जीतने के लिए टेस्ट का नया रिकॉर्ड कायम करना होगा। चौथी पारी में सफलतापूर्वक सबसे बड़ी लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के नाम है।

भारत के सामने बांग्लादेश की मजबूत चुनौती

दुबई। भारत के बल्लेबाजों को रविवार को यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अंडर-19 एशिया कप फाइनल में बांग्लादेश की मजबूत गेंदबाजी की चुनौती का सामना करना होगा। भारत आठ खिताब के साथ इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जबकि गत चैंपियन बांग्लादेश एक बार फिर से इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में दबदबा कायम करना चाहेगा। बांग्लादेश की टीम ने 2023 में सेमीफाइनल में भारत को हराने के बाद फाइनल में भी जीत दर्ज की थी। भारत की बल्लेबाजी का नेतृत्व सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे और 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने किया है। म्हात्रे ने टूर्नामेंट में 175 जबकि सूर्यवंशी ने 167 रन बनाए हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश ने मोहम्मद अल फहद और मोहम्मद इकबाल हसन इमोन की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी की है। इन दोनों ने 10-10 विकेट चटकाए है।

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्या., (अपेक्स बैंक)
प्रधान कार्यालय, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)
शाखा - भिलाई, 10, इंदिरा प्लेस सिविक सेंटर भिलाई दुर्ग
आम सूचना
छ.ग. / मुख्या / रायपुर / ऋण दिनाँक : 08.12.2024

छत्तीसगढ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) ए10 इदिरा प्लेस, सिविक सेंटर, भिलाई, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 490006 लॉकर धारकों को सूचना . छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (लॉकरों के किराए भुगतान में चूककर्ता) यह सूचना हमारे उन प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए है जिन्होंने हमारे बैंक शाखा में लॉकर किराए पर लिए हैं एवं करार का उल्लंघन किया हैं। लॉकर किराएदारों को शाखा के रिकार्ड में दर्ज पते पर भेजी गई नोटिस बिना सुपुर्दगी के इस कारण से वापस आ गई कि या तो वे वहाँ नही मिले या फिर उन्होनें वह जगह छोड़ दी है। लॉकर धारकों से शाखा के रिकार्ड में दर्ज पते पर व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने के प्रयास भी बेकार गए तथा उनके वर्तमान ठिकाने का निश्चित पता नहीं लगाया जा सका। इस प्रकार कोई विकल्प न रहने पर निम्नलिखित में सभी व्यक्तियों को अपनी शाखा में 15 दिनों की अवधि के अन्दर संपर्क करके बैंक को देय राशि चुकाने हेतु यह नोटिस दिया जा रहा हैए ऐसा नहीं करने पर बैंक उनकी लागतए जोखिम एवं जिम्मेदारी पर लॉकर को तोड़कर खोल देगा तथा बैंक बकाया किराया, लागत एवं अन्य प्रभागों की वसूली हेतु अपने ग्रहणाधिकार (लियन के अधिकार) का प्रयोग करेगा।

"LOCKER RENT DUE REGISTER

S. No.	Cabinet Tipy	Locker No	Locker Account No.	Customer Name	Last Opening Date	Pending due date	Rent Due (Rs.) Excl. Taxes
1.	S1	253	113468	Mr. Pramod Pandey	30/01/2019	30/04/2019	10,800.00
2.	S1	17	102332	Mrs. Urvashi Sahu	31/03/2019	31/03/2019	4,200.00
3.	S2	102	103051	Mrs. Mantri Pushpa Devi	02/06/2014	31/05/2015	7,000.00
4.	S2	130	101893	Mr. Shyamal Kumar Mitra	30/11/2015	30/11/2015	6,300.00

शाखा प्रबंधक
छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित
(अपेक्स बैंक) शाखा-भिलाई

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्या., (अपेक्स बैंक)
प्रधान कार्यालय, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना
छ.ग. / मुख्या / रायपुर / ऋण दिनाँक : 04.12.2024

एतद् द्वारा निम्नलिखित कालम 2 *व*3 में वर्णित ऋणी /संपत्ति के बंधककर्ता जो कि शाखा-भिलाई से ऋण प्राप्त किये है, को सूचना दी जाती है कि वित्तीय आस्तिओ के प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन एवं हित प्रवर्तन अधिनियम -2002 के अधीन वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत बैंक के ऋण बकाया राशि की अदायगी / जमा करने हेतु कॉलम-5 मे वर्णित तिथि की मांग की सूचना पत्र प्रेषित कर, कॉलम-6 मे वर्णित राशि की मांग की गई थी। जिसमें ऋणी / जमानतदार संपत्ति के बंधककर्ता के द्वारा ऋण की अदायगी में असफल/चूक होने पर कॉलम-4 में वर्णित संपत्तियों को कॉलम-7 में लिखित तिथि को बैंक ने अपने कब्जे (Possession) में ले लिया है, बैंक नीचे दर्शित ऋणी एवं संपत्ति के बंधककर्ता को ऋण के अदायगी (Repayment) हेतु एक अंतिम अवसर प्रदान करती है, कि वे ऋण की शेष/ बकाया राशि के इस प्रकाशन की तिथि से लेकर 30 दिन के भीतर अवश्य जमाकर देवें | इसके पश्चात भी ऋण की अदायगी नही होने पर बैंक आगे चलकर, कॉलम-4 में वर्णित, संपत्ति के बिकी की प्रक्रिया प्रारंभ करेगी। अतः इस सूचना से अवगत होवे।

अतः विशेषकर ऋणी/ऋणियों एवं जमानतदार/जमानतदारों एवं सामान्य में आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध लिखी गई संपत्ति/संपत्तियां बैंक के अधीन (Charge) में है। जिसके ऊपर कोई भी लेन-देन के सव्यवहार न करे। बैंक के जानकारी के बगैर लेन-देन करने के लिए बैंक उत्तरदायी नही होगा तथा वह अवैध व शून्य मान्य होगी।

क्र.	ऋणी का नाम एवं पता	अचल संपति के बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण	सिक्यूरिटाईजेशन एक्ट की धारा 13(2) के अंतर्गत ऋण की बकाया राशि का मांग करने की तिथि	ऋण की बकाया राशि (+) प्रभारित योग्य ब्याज व व्यय पर	बैंक द्वारा अपने कब्जे में लेने की तिथि
1.	2	3	4	5	6	7
1	श्रीमती रमशीला बाई निर्मलकर एवं श्री दुर्गा प्रसाद निर्मलकर पता -मकान नं. - 143, संतरा बाड़ी, दुर्ग (छ.ग.) 491001	श्रीमती रमशीला बाई निर्मलकर पता -मकान नं. - 143, संतरा बाड़ी, दुर्ग (छ.ग.) 491001	संपति स्थल :-मौजा उरला, वार्ड नं 56, तहसील व जिला दुर्ग,(छ.ग.) 491001 खसरा नं. 667/13, प.ह.नं. 17/7, कुल क्षेत्रफल -2000 वर्गमीटर	22/02/2024	Rs 8,77,816.00 + Intt.	04/11/2024
2	श्री दिनेश ग्वाला /पिता श्री एम.एल. ग्वाला निवास- फ्लैट नं. 103,ए-ब्लॉक, मयूरीहाईट्स बोरसी, दुर्ग (छ.ग.)491001	,श्री दिनेश ग्वाला /पिता श्री एम.एल. ग्वाला निवास- फ्लैट नं. 103,ए-ब्लॉक, मयूरीहाईट्स बोरसी, दुर्ग (छ.ग.)491001	संपति स्थल :-फ्लैट नं.सी 516, 2BHK आनंद विहार, ग्रीनटॉवर, पोटीया, दुर्ग प.ह.नं. -,खसरा नं.-80/5,6,7,8, कुल क्षेत्रफल -1075 वर्गमीटर	22/03/2024	Rs8,96,060.00 + Intt. Rs3,71598.00 + Intt.	04/11/2024
3	श्री योगेश कुमार साहू एवं श्रीमती गोमती साहू, निवास- प्लाटनं. 03, आकांक्षा आशिष नगर वार्ड नं. 06, रिसाली दुर्ग (छ.ग.) 490006	श्री योगेश कुमार साहू एवं श्रीमती गोमती साहू, निवास- प्लाटनं. 03, आकांक्षा आशिष नगर वार्ड नं. 06, रिसाली दुर्ग (छ.ग.) 490006	संपति स्थल :- मौजा-रिसाली आशीष नगर वेस्ट 16/ए तहसील व जिला दुर्ग, (छ.ग.), प.ह.नं. -65 खसरानं.-426/39, कुल क्षेत्रफल -2000 वर्गमीटर	03/10/2023	Rs 20,01,438.00 + Intt. Rs 20,00,000.00 + Intt.	04/11/2024
4	श्री ओमकार साहू एवं श्रीमती ज्योति साहू निवास -सबस्टेशन के पीछे साई नगर, दुर्ग (छ.ग.) 491001	श्री ओमकार साहू एवं श्रीमती ज्योति साहू निवास -सबस्टेशन के पीछे साई नगर, दुर्ग (छ.ग.) 491001	संपति स्थल :-मौजा सिकोला बस्ती, वार्ड नं. 15 तह. व जिलादुर्ग (छ.ग.) प.ह.नं. -17, खसरा नं.-29/90 कुल क्षेत्रफल - 1200 वर्गमीटर	29/06/2024	Rs 19,99,978.00 + Intt. Rs 8,63,667.00 + Intt.	06/11/2024

स्थान :- भिलाई अत : बैंक द्वारा प्रदत्त इस अंतिम अवसर पर लाभ ऋणी /संपति बंधककर्ता
दिनांक :- 08.12.2024 अवश्य ही लेवे, एवं अप्रिय स्थिति निर्मित होने से बचें।

प्राधिकृत अधिकारी
छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्या.,
प्रधान कार्यालय, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध
जैन चुस्की चाय
पहला पुरस्कार मारुति आल्टो कार (1)
तीसरा पुरस्कार 10 लोगों को वाशिंग मशीन (सैमसंग)
दूसरा पुरस्कार 2 लोगों को एक्टिवा स्कूटर
चौथा पुरस्कार 100 ग्राम चांदी का सिक्का (50)
₹300/- की जैन चुस्की चाय की खरीदी पर पाये 1 कूपन फ्री और पाये ढेरों ईनाम
ड्रा 30 अप्रैल 2025
WWW.CHUSKITEA.COM
JAIN TRADERS किसी भी प्रकार के विवाद में अंतिम निर्णय कंपनी के पास सुरक्षित रहेगा।
AKRITI VIHAR, AMLIDHI, RAIPUR, 94242-05071

जानिए नए साल में क्या होने वाला है

नास्त्रेदमस ने साल 2025 के लिए की हैं पांच भविष्यवाणियां

पेरिस। बाबा वेंगा के साथ ही फ्रांस के मशहूर भविष्यवक्ता 'माइकल दि नास्त्रेदमस' को उनकी भविष्यवाणियों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। नास्त्रेदमस की तमाम भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं। नास्त्रेदमस ने अपनी किताब लेस प्रोफेटिज में ऐसी भविष्यवाणियां की थीं जिनमें से ज्यादातर सच साबित हुई हैं। नास्त्रेदमस ने साल 2025 के लिए भी कई बेहद डरावनी भविष्यवाणियां की थीं। नास्त्रेदमस का जन्म फ्रांस के छोटे-से गांव सेंट रेमी में 14 दिसंबर, 1503 को हुआ था और 1566 में उनकी मौत हो गई थी। आज हम आपको साल 2025 के लिए की गई उनकी भविष्यवाणियों के बारे में बताते हैं। नए साल की गईं उनकी भविष्यवाणियां बेहद डरावनी हैं। अगर उनकी भविष्यवाणियां सच साबित होती हैं, तो पूरी दुनिया में तबाही मच जाएगी। नास्त्रेदमस से तीसरे विश्व युद्ध ये लेकर दुनिया की अर्थव्यवस्था के पतन तक की भविष्यवाणी की है।

अकाल

वैश्विक खाद्य असुरक्षा इतनी अधिक बढ़ जाएगी दुनिया के सबसे कमजोर इलाके और अस्थिर हो जाएंगे। साल 2025 में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से यह और बढ़ेगा। इससे अकाल और सामाजिक तनाव जैसी स्थितियां बनेंगी।

जलवायु परिवर्तन

फ्रांस के भविष्यवक्ता के मुताबिक, प्रदूषण के साथ-साथ दूसरे कारणों से अत्यधिक जलवायु परिवर्तन होगा। साल 2025 में इतनी गर्म हवाएं चलेंगी, जो पहले कभी महसूस नहीं की गई होंगी। यूरोप में इस जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर दिखाई देगा।

तीसरे विश्व युद्ध की चेतावनी

फ्रांस के मशहूर भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में साल 2025 में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। उनका दावा है कि यह युद्ध तबाही की वजह बनेगा।

और बढ़ेगी तकनीक

नास्त्रेदमस ने भविष्यवाणी की है कि रोजमर्रा के जीवन को तकनीक कंट्रोल करना शुरू कर सकती है। बता दें कि इससे पहले नास्त्रेदमस की ज्यादातर भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं।

दुनियाभर में आर्थिक संकट

नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणी में दुनियाभर में आर्थिक संकट आने की तरफ इशारा किया है। इससे समाज अशांति फैलने का डर जताया है। इस आर्थिक संकट में मैक्सिकों, लैटिन अमेरिकी देश और यूरोप शामिल होगा।

दूल्हा से धोखाधड़ी शादी से पहले दुल्हन लापता

चंडीगढ़। विवाह के लिए दुबई से आए एक व्यक्ति और उसके साथ 150 बारातियों को उस समय झटका लगा, जब वे पंजाब के मोगा पहुंचे, जहां उन्हें पता चला कि दुल्हन गायब है और विवाह स्थल भी मौजूद नहीं है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीपक कुमार (24) एक महीने पहले दुबई से जालंधर मनप्रीत कौर से शादी करने आया। कुमार कौर से तीन साल से सोशल मीडिया पर बात कर रहा था, लेकिन कभी मिला नहीं था। उन्होंने बताया कि घटना के बाद दूल्हे ने कौर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

अमेरिका पर रूस का परमाणु हमला हुआ तो क्या होगा?

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के बीच एक्सपर्ट का डराने वाला दावा

वॉशिंगटन। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैल रहे संघर्ष और बढ़ती गुटबाजी ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है। खासतौर से अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव ने दुनिया को फिक्रमंद किया है। इस तनाव के बीच एक नक्शे के जरिए बताया गया है कि अमेरिका पर परमाणु बम से हमले के किस तरह के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं। नक्शा दिखाता है कि अमेरिकी शहरों पर परमाणु हमले का किस तरह से असर होगा और कैसे लाखों लोगों की जान जोखिम में पड़ जाएगी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में धमकी दी है कि अगर अमेरिकी सेना यूक्रेन में घुसी तो वो परमाणु हथियार इस्तेमाल करेंगे। इस धमकी के बीच ही परमाणु हमले के बाद अमेरिकी शहरों की स्थिति दिखाने वाला नक्शा न्यूक मैप ने जारी किया है। न्यूक मैप के कर्ताधर्ता एलेक्स वेलरस्टीन का कहना है कि परमाणु हमले में अमेरिका के न्यूयॉर्क जैसे प्रमुख शहरों को भारी नुकसान होगा और लाखों लोग मारे जा सकते हैं।

परमाणु हमला मचा देगा अमेरिका में भारी तबाही!

एलेक्स वेलरस्टीन ने ये नक्शा बनाया है, जो परमाणु तकनीक के जानकार और न्यूक मैप के निर्माता हैं। नक्शा परमाणु विस्फोट की स्थिति में रेडियोधर्मिता के फैलाव, आग के गोले के दायरे और संभावित पीड़ितों की संख्या का अनुमान लगाता है। अगर अमेरिका के पूर्वी तट पर 800 किलोटन का टोपोल (SS-25) बम गिरा तो न्यूयॉर्क में 16 लाख तक मौत हो सकती हैं और 30 लाख लोग घायल हो सकते हैं। आग का गोला मैनहट्टन, नेवार्क, एलिजाबेथ, ब्रुकलिन और दूसरे शहरों को तबाह कर सकता है। इस विस्फोट से निकलने वाला तापीय विकिरण 11.1 किलोमीटर तक फैलेगा। जाहिर है कि यह कई अमेरिकी शहरों को अपनी चपेट में लेगा और इससे बड़ी तबाही मचेगी।

पलभर में तबाह हो सकते हैं कई बड़े शहर

अगर ऐसा ही परमाणु हमला वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस पर हुआ तो मरने वालों की संख्या 40 लाख तक पहुंच सकती है। कैपिटल हिल और कोलंबिया हाइट्स जैसे प्रतिष्ठित स्थलों को भी भारी नुकसान हो सकता है। हमले से अलेक्जेंड्रिया से लेकर सिल्वर स्प्रिंग तक के निवासियों को तापीय विकिरण से थर्ड डिग्री बर्न हो सकते हैं। आयरिश स्टार की रिपोर्ट कहती है कि परमाणु हमलों के बाद की भयावह स्थिति दिखाने वाले नक्शे बताते हैं कि अमेरिका के कई बड़े शहर पलभर में तबाह हो सकते हैं। अनुमान के मुताबिक, 'लिटिल बॉय' बम जैसे विस्फोट के बाद ह्यूस्टन पूरी तरह तबाह हो जाएगा। इसमें 90,000 से ज्यादा लोग हताहत होंगे।

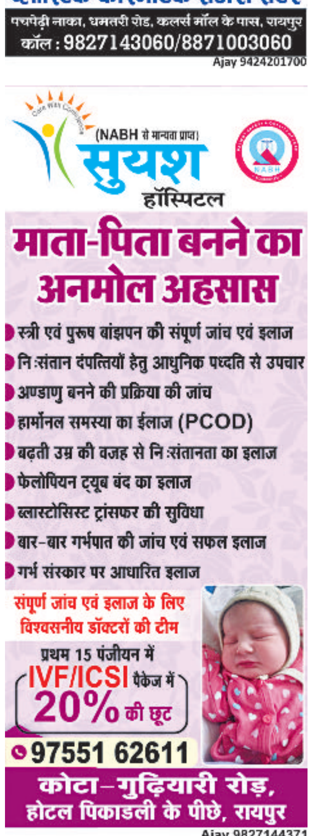

बाइक टैक्सी चलाने वाले ने बताई अपनी आमदनी, सुनकर डिप्रेशन में चला गया ग्राहक!

बेंगलुरु। हाल ही में जब एक लड़के ने बाइक टैक्सी वाले से पूछा कि वो कितना कमा लेता है, तो उसका जवाब सुनकर ग्राहक खुद ही डिप्रेशन में चला गया। वो इसलिए क्योंकि चालक जितना कमाता है, उतना तो वो लड़का भी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने से नहीं कमा पाता। वायरल वीडियो में आदमी पूछता है कि बाइक वाला कितना कमाता है, तो वो कहता है कि ऊबर में बाइक चलाकर वो 80 हजार रुपए महीना कमा लेता है। राइडर कहता है कि वो हर महीने का 80 से 85 हजार रुपए तक कमा लेता है। वो बताता है कि वो 13 घंटे काम करता है और खुद का मालिक है। शख्स कहता है कि अगर वो लोगों को इसके बारे में बताए तो वो हंसेंगे। लड़का उसकी बातें सुनकर कहता है कि वो भी उतना नहीं कमा रहा है जितना वो बाइक चलाकर कमा ले रहा है। शख्स कहता है कि इतना काम कर के इतनी थकान होती है पर इतनी सैलरी कंपनी वाले भी नहीं दे रहे हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com